केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 151 मंगलवार 24 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

व्यापारी का अपहरण, हत्या की धमकी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । एक नौजवान व्यापारी के अपहरण की बात सामने आ रही है। अपहरण के बाद ह्वाट्सएप चैट पर जान–माल की धमकी देने का मामला सामने आया तो परिजनों सहित पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। ह्वाट्सएप पर मिली धमकी में व्यापारी के भाई को संबोधित करते हुए लिखा है कि कहीं शिकायत की तो तुम्हारे भाई की लाश मिलेगी। मामला` गौर थाना क्षेत्र का है। पुलिस और एसओजी अपहृत व्यापारी की तलाश में जुट गई है।

रविवार की देर रात गौर थानाक्षेत्र के परासडीह गांव निवासी बबलू कसौध ान ने पुलिस को सूचना दी कि गौर स्टेशन के पीछे उसका भाई अजय कसौधन किराना की दुकान करता है। रविवार शाम पांच बजे से वह गायब है। उसके बबलू के मोबाइल पर ह्वाट्सएप चौट से धमकी दी गई कि मेरी तुमसे दुश्मनी है। तुमने मेरा बहुत बड़ा नुकसान किया है। तीन महीने से तुम्हारे बेटे का अपहरण करने का प्रयास कर रहा हूं लेकिन तुम्हारा भाई हर बार बीच में आ जाता था। आज तुम्हारे भाई का अपहरण कर लिया हूं। फोन पर सम्पर्क मत करो क्योंकि वह अभी बेहोश है। कहीं शिकायत की तो तुम्हारे भाई की लाश ही मिलेगी। ह्वाट्सएप चैट पर मिली धमकी से परिजनों के हाथ पांव फूल गए। परिवार में कोहराम मच गया। इसकी सूचना पुलिस महकमे को दी गई तो पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया। एसओजी, सर्विलांस सहित गौर पुलिस हरकत में आई और सर्विलांस सेल की मदद से रातभर खाक छानती रही। इस बाबत प्रभारी निरीक्षक गौर राम कुमार राजभर ने बताया कि पीड़ित के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

बोलेरो को लेकर चम्पत हो गए चोर

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सोनहा बाजार में घर के सामने खड़ी बोलेरो पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। मुख्य बाजार में हुई इस घटना से स्थानीय व्यापारियों में रोष है। सूचना पर सोमवार की सुबह घटनास्थल पर पहुंची सोनहा पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। सोनहा थानाक्षेत्र के करमहिया बाजार निवासी दीनानाथ पांडेय पुत्र चंद्रप्रकाश पांडेय ने सोनहा बाजार में मकान बना रखा है। मकान के अगले हिस्से में उन्होंने बक्से की दुकान खोल रखी है। दीनानाथ के अनुसार रविवार की रात दुकान बढ़ाने के बाद बोलेरो रोज की तरफ मकान के दरवाजे पर ही खड़ी थी। सोमवार की सुबह जब उठे तो देखा कि बोलेरो वहां नहीं खड़ी थी। तत्काल सूचना डायल 112 पर दी। थोड़ी देर में पुलिस पहुंच गई। आसपास की दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से पुलिस चोरी की घटना का सुराग लगाने में जुटी है।

जमीन हड़पने के मामले में कोर्ट के आदेश पर मुकदमा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। हर्रैया पुलिस ने धोखाध ाड़ी के आरोप में कोर्ट के आदेश पर सात लोगों पर केस दर्ज किया है। छावनी थाने के जीजीरामपुर निवासी ओंकार मिश्र ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि विपक्षियों ने जमीन हड़पने के उद्देश्य से एक फर्जी निर्णय तैयार कर बलिकरन की ग्राम कैनोना में स्थित सम्पूर्ण जमीन राजस्व अभिलेख में गलत तरीके से नाम दर्ज करा लिया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने पुरुषोत्तम दास, राधा देवी, श्यामू, सुभावती देवी, गंगाराम निवासीगण जीजीरामपुर, लाली देवी निवासी परसरामपुर और राममूरत निवासी अमीनडीह थाना हर्रैया के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

3 खालिस्तानी आतंकी पुलिस मुठभेड़ में ढेर: असलहे बरामद

पीलीभीत (आभा)। पीलीभीत में पुलिस एनकाउंटर में तीन खालिस्तानी आतंकवादी मारे गए हैं। पंजाब और यूपी पुलिस ने एक संयुक्त अभियान के तहत यह ऑपरेशन किया है। तीनों आतंकी खालिस्तानी कमांडो फोर्स के सदस्य बताए जा रहे हैं। उनके पास से दो एके–47 गन और दो ग्लॉक पिस्टल के अलावा भारी मात्रा में कारतूस मिले हैं। मारे गए आतंकियों की पहचान गुरविंदर सिंह, रवि और जसप्रीत के रूप में हुई है। तीनों पर 18 दिसम्बर को पंजाब के गुरदासपुर पुलिस चौकी पर हुए ग्रेनेड हमले में शामिल रहने का आरोप था।

सोमवार की सुबह–सुबह पीलीभीत से आई एनकाउंटर की इस खबर को यूपी और पंजाब पुलिस की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार यह एनकाउंटर पीलीभीत के पूरनपुर इलाके में हुआ है। पंजाब पुलिस की एक टीम तीनों आतंकियों की तलाश में यूपी आई हुई थी। पंजाब पुलिस, यूपी पुलिस के साथ मिलकर तलाशी अभियान चला रही थी। पुलिस को तीनों आतंकियों के छिपे होने के बारे में जानकारी मिली। इस पर पुलिस ने उनकी घेराबंदी की। आतंकवादियों को चेतावनी देते हुए पुलिस आत्मसमर्पण करने के लिए कहा लेकिन वे इसके लिए तैयार नहीं हुए। इसके बाद यूपी और पंजाब पुलिस की खालिस्तानी आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ हो गई जिसमें तीनों खालिस्तानी आतंकवादी मारे गए।

चौधरी चरण सिंह ने किसान हितों के लिये आखिरी सांस तक संघर्ष किया- अरूणेन्द्र पटेल

—जयन्ती पर चौधरी चरण सिंह को किया नमन्: सहभोज का आयोजन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को उनकी जयन्ती पर पर किसान दिवस के रूप में याद किया गया। सोमवार को राष्ट्रीय लोकदल पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने रूधौली विधानसभाध्यक्ष रामकृपाल चौहान की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद भानपुर तहसील के सामने आयोजित संगोष्ठी और सहभोज में चौधरी चरण सिंह के योगदान पर चर्चा किया।

रालोद के प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि चौधरी चरण सिंह एक समर्पित सार्वजनिक कार्यकर्ता और सामाजिक न्याय में दृढ़ विश्वास रखने वाले ऐसे व्यक्तित्व थे जिन्होने किसान हितों के लिये आखिरी सांस तक संघर्ष किया। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होने किसानों के लिये जो नीतियां बनायी उसका लाभ आज तक किसानों को मिल रहा है। रालोद उन्ही के सपनों को साकार करने के लिये निरन्तर प्रयत्नशील है। संचालन करते हुये सुरेन्द्र चौधरी ने कहा कि किसान समस्याओं के सवालों को हल कराये जाने को लेकर रालोद संघर्ष कर रही है। यही चौधरी चरण सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि है।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये क्षेत्रीय उपाध्यक्ष इन्द्र बहादुर यादव, चंद्रिका प्रसाद श्री राम मौर्य धर्मेंद्र चौधरी, कमलेश चौधरी मुन्नालाल पतिराम चौधरी राजकुमार वर्मा, गोरखनाथ चौधरी, ओमकार चौधरी, शंभू गोपाल चौधरी, प्रदीप चौधरी, सुनील देव शर्मा, औरंगजेब, सीताराम चौधरी, मास्टर दिनेश कुमार दिनेश चौधरी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य स्वामीनाथ चौधरी पूर्णमासी मौर्य आदि ने चौधरी चरण सिंह के जीवन संघर्षो पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि वे किसानों के सर्वमान्य नेता थे। किसानों की स्थिति सुधरे यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। चौधरी चरण सिंह को जयन्ती पर नमन् करने वालों में रालोद के अनेक पदाधिकारी, के साथ ही स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

भाकियू ने किया चौधरी चरण सिंह को नमन्: किसान समस्याओं पर व्यापक चर्चा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । भारतीय किसान यूनियन द्वारा सोमवार को पूर्वान्चल अध्यक्ष अनूप कुमार चौधरी के संयोजन में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को याद किया गया। सिंचाई डाक बंगले के परिसर में स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि देश का किसान सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। इसके लिये एकजुट होकर संघर्ष करते हुये अधिकार हासिल करने होंगे, यही चौधरी चरण सिंह के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

गोष्ठी को भाकियू के प्रदेश सचिव दिवान चन्द पटेल, जयराम वर्मा, शोभाराम ठाकुर, जिलाध्यक्ष गौरीशंकर चौधरी, गनीराम, विनोद कुमार, त्रिवेनी चौधरी आदि ने सम्बोधित किया। कहा कि किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने, स्वामीनाथन आयोगी रिपोर्ट लागू किये जाने, जमीन अधिग्रहण में मनमानी आदि सवालों को लेकर संघर्षरत है। केन्द्र और राज्यों की सरकारें किसानों की मांगों को लगातार अनसुनी कर रही है और अधिकार मांगने पर उन पर पुलिस की लाठियां, आसू गैस के गोले बरसाने के साथ ही उन्हें फर्जी मुकदमों में फंसाया जा रहा है। यह स्थितियां खतरनाक है। कहा कि हमें चौधरीचरण सिंह से प्रेरणा लेकर किसान आन्दोलनों को तब तक गति देनी होगी जब तक कि समस्ययाओं का समाधान नहीं हो जाता।

कार्यक्रम में राम कलप, आज्ञाराम, ब्रम्हदेव, जगदम्बा प्रसाद, गंगाराम, इमरान अहमद, राम सुरेमन, राजेन्द्र प्रसाद, रामचन्दर सिंह, शेषराम, रमेश चौधरी, पंचराम चौधरी के साथ ही भाकियू के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

लेखपाल पर ग्राम प्रधान और ग्रामीणों का फर्जी हस्ताक्षर कराने का आरोप

—डीएम को सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । सोमवार को विकास खण्ड बस्ती सदर के ग्राम पंचायत मूडाडीहा के नागरिकों ने विक्रम गौतम, हरिकेश गौतम के नेतृत्व में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि ग्रामसभा मूडाडीहा में आवासीय पट्टा के आवंटन हेतु ग्राम प्रधान द्वारा प्रस्ताव बनाकर कानूनगो को दिया गया था। इस पर हल्का लेखपाल रितेश शुक्ला ने पूर्व ग्राम प्रधान कुलदीप, और मंजू का फर्जी हस्ताक्षर बनवा लिया। यही नहीं लेखपाल ने ग्राम प्रधान का भी फर्जी मोहर और हस्ताक्षर बनवा लिया। इस सम्बन्ध में ग्राम प्रधान महेश ने भी मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर लेखपाल के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर कार्रवाई की मांग किया है। ग्राम प्रधान ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा है कि लेखपाल ने उनका फर्जी हस्ताक्षर कराकर रिपोर्ट लगा दिया।

ज्ञापन देने वालों में मूडाडीहा गांव के रमेश निषाद, राजकुमार, राजन, अमित कुमार, वृजेश कुमार, करन, रामकेवल, सुनीता, शेषराम, राजकुमार, बखोडू, इन्द्रावती, कैलाशपति, रामरति, गीता, इन्द्रमती, सरोज, सोनमती, शीतला देवी आदि शामिल रहे।

हरे पेड़ों की अवैध कटान रोकने की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । दुबौलिया थाना क्षेत्र की हरिपालपुर निवासिनी राजपती देवी पत्नी अनुरूद्ध ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर ग्रामसभा के बंजर भूमि पर स्थित हरे पेड़ों की अवैध कटान रोके जाने की मांग किया है।

पत्र में राजपती देवी ने कहा है कि गांव के ही जय प्रकाश पुत्र जियालल की मिलीभगत से हरे पेड़ों की कटान कराया जा रहा है। इस सम्बन्ध में दुबौलिया पुलिस को सूचना देकर पेड़ों को बचाने की मांग किया गया था किन्तु पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किया गया। राजपती देवी ने जिलाधिकारी से हरे पेड़ों की अवैध कटान रोके जाने की मांग किया है।

प्रधानाचार्य परिषद ने सौंपा ज्ञापन: समस्याओं के निस्तारण की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद ने सोमवार को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना देकर 14 सूत्रीय मांगों के निस्तारण की जोरदार आवाज उठाई। प्रधानाचार्यों की समस्याएं गिनाते हुए वक्ताओं ने समाधान न होने तक संघर्ष का संकल्प दुहराया। साथ ही मुख्यमंत्री को संबोधित 14 सूत्रीय ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक जगदीश प्रसाद शुक्ल को सौंपा।

धरने को संबोधित करते हुए संरक्षक मार्कण्डेय सिंह व अनिरुद्ध त्रिपाठी ने कहा कि तदर्थ प्रधानाचार्यों का तत्काल विनियमितिकरण किया जाना चाहिए। इस प्रकरण पर सरकार सहमति भी जता चुकी है, लेकिन अब तक आदेश जारी न होना दुर्भाग्यपूर्ण है। जिलाध्यक्ष योगेश शुक्ल, मंत्री डा हरेन्द्र प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष डा बृजेश

पासवान,डा के डी द्विवेदी,डा मनोज सिंह ने कहा कि प्रधानाचार्य परिषद निरंतर समाज के शैक्षिक उन्नयन की दिशा में संकलित होकर कार्य कर रहा है, फिर भी प्रधानाचार्यों की समस्याओं के निस्तारण की दिशा में सरकार ठोस कदम नहीं उठा रही है। अरसे से शुल्कों का पुनर्निर्धारण न होने से स्कूलों के संचालन में भारी समस्या हो रही है। कक्षा 6,7,8 के विद्यार्थियों की शुल्क प्रतिपूर्ति न होने तथा कक्षा 9 व 11के पंजीकरण शुल्क का निर्धारित अंश न मिलने से हर विद्यालय आर्थिक संकट झेल रहा है। कार्यकारी अध्यक्ष आज्ञाराम चौधरी,कोषाध्यक्ष उपाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह,संयुक्त मंत्री डा प्रमोद उपाध्याय,सर्वेन्द्र नारायण द्विवेदी,सदस्य कार्यकारिणी अरुण मिश्र, संजय द्विवेदी ने मांग उठाई कि प्रधानाचार्योंध को भी अन्य संवर्गों की तरह त्रिस्तरीय वेतनमान की सुविधा दी जाय।

धरने में संरक्षक डा घनश्याम श्रीवास्तव,संगठन मंत्री रामप्रीत यादव, संरक्षण मंत्री चन्द्रमा कौशिक पाण्डेय, सदस्य संघर्ष समिति सतीश रंजन सिंह, दिनेश वर्मा, संयुक्त मंत्री कृष्ण विजय यादव, विजय कुमार,कौशलेंद्र कुमार मिश्र,विजय शंकर सिंह,अशोक कुमार पाण्डेय,युगल किशोर मिश्र,राजेश प्रताप सिंह, विनोद प्रकाश वर्मा,धर्मेन्द्र कुमार,वीरेंद्र सिंह राजित राम वर्मा,सुधीर कुमार शर्मा,सुनील कुमार, पाण्डेय,रामभवन,राम बचन,विक्रांत राम त्रिपाठी, आनंदवर्धन मिश्र ने भाग लिया। धरना के अंत में ज्ञापन प्राप्त करने के बाद जिला विद्यालय निरीक्षक ने स्थानीय समस्याओं के यथाशीघ्र समाधान का और 14 सूत्रीय ज्ञापन को तत्काल मुख्यमंत्री महोदय तक प्रेषित करने का आश्वासन दिया।

पुलिस की लापरवाही से आहत किशोर ने फांसी लगाकर जान दिया

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। कप्तानगंज पुलिस की कार्यशैली से आहत होकर एक 15 वर्षीय किशोर ने अपनी जान दे दी। आरोप है कि ननिहाल के कुछ युवकों ने उसके कपड़े उतार और उसका अश्लील वीडियो बना लिया था। इसकी शिकायत जब पुलिस से की गई तो पुलिस दो आरोपितों को पकड़कर थाने ले आई। बाद में इन दोनों को छोड़ दिया गया। सोमवार को दिन में किशोर के फांसी लगाने की सूचना मिलते ही सनसनी फैल गई। परिजन शव लेकर कप्तानगंज थाने पहुंच गए। पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजना चाहा तो इंकार कर दिया। यहां से शव लेकर परिजन एसपी कार्यालय चले गए और यहां भी मुकदमा दर्ज होने व गिरफ्तारी होने के बाद ही पोस्टमार्टम कराए जाने की मांग पर डटे हैं। पुलिस अफसर परिजनों को समझाने में जुटे हैं।

बताया जा रहा है कि संतकबीरनगर जनपद के बेलहर थानाक्षेत्र का रहने वाला 15 वर्षीय किशोर ननिहाल में रहकर अपने मामा के साथ पढ़ाई करता है। नलिहाल में गत 20 दिसंबर को एक परिवार के यहां जन्मदिन पार्टी थी। वह भी इस बर्थडे पार्टी में शामिल हुआ था। देर रात्रि घर लौट आया था। आरोप है कि उसे गांव के एक लड़के ने फोन कर बुलाया और शराब के नशे में ध ुत लड़कों ने उसके कपड़ा उतार कर पिटाई की और उसका अश्लील वीडियो बना लिया। सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची थी। मामा ने जानकारी होने पर शिकायत पुलिस से की थी।

पुलिस दो आरोपियों को हिरासत में लेकर थाने ले आई और बाद में छोड़ दिया। सोमवार की दिन में इस घटनाक्रम से आहत किशोर ने ननिहाल में फांसी लगाकर जान दे दी। एसएचओ कप्तानगंज दीपक दुबे का कहना है कि घटना की जांच कर उचित कार्रवाई की जा रही है। दूसरी तरफ परिजन सोमवार की शाम तक एसपी कार्यालय पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग पर डटे रहे।

मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष बने जस्टिस वी. रामासुब्रमण्यम

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस वी. रामासुब्रमण्यम को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एनएचआरसी के पूर्व अध्यक्ष रिटायर्ड जस्टिस अरुण कुमार के कार्यकाल के जून में खत्म हो जाने के बाद पद खाली था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 के तहत जस्टिस वी. रामासुब्रमण्यम को एनएचआरसी का अध्यक्ष नियुक्त किया।

समाजवादियों ने जयन्ती पर पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को किया नमन्

-कठिन दौर से गुजर रहें है किसान- महेन्द्रनाथ यादव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को किसान दिवस के रूप में उनकी जयन्ती पर समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सोमवार को सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में याद किया गया।

चौधरी चरण सिंह के चित्र पर माल्यार्पण के बाद गोष्ठी को सम्बोधित को करते हुये विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि किसानों के मसीहा के रूप में लोकप्रिय चौधरीचरण सिंह को ऐसे समय पर याद किया जा रहा है जब देश के किसान चौतरफा समस्याओं से घिरा है, उनकी आवाजों को अनसुनी किया जा रहा है। चौधरी चरण सिंह सदैव किसान हितों के लिये संघर्ष करते रहे। उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगा कि किसान समृद्ध हों और उनकी मांगों को तत्परता से निराकरण कराया जाय। विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल' ने कहा कि आज जब लोकतंत्र पर चौतरफा हमले हो रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संविधान पर खतरे हैं ऐसे में हमें चौधरी चरण सिंह से प्रेरणा लेनी होगी जिन्होने किसान हितों के लिये आजीवन संघर्ष करने के साथ ही उनकी आवाज बने।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, सपा के वरिष्ठ नेता चन्द्रभूषण मिश्र, दयाशंकर मिश्र आदि ने कहा कि किसान चरण सिंह को अपना मसीहा मानते हैं, उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किया। भ्रमण करते हुए कृषकों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया। ऐसे नेता विरले होते हैं जिन्हें किसानों का विश्वास हासिल होता है, चौधरी चरण सिंह ने किसान हितों के लिये जो कार्य किया, उन्हें सदैव याद किया जायेगा। कहा कि चौधरी चरण सिंह सच्चे अर्थो में किसानों की मुखर आवाज थे। जावेद पिण्डारी, मो0 स्वालेह, राम सिंह यादव, गुलाब सोनकर, युनूस आलम, मो. सलीम, अरविन्द यादव ने कहा कि नयी पीढी को चौधरी चरण सिंह के संघर्ष और योगदान से प्रेरणा लेनी चाहिये। कहा कि देश को चौधरीचरण सिंह जैसे नेताओं की जरूरत है। देश और उत्तर प्रदेश का किसान घोर संकट का सामना कर रहा है।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से नितराम चौधरी, राम उजागिर वर्मा, महेन्द्र, इरशाद अहमद, राम सुरेश यादव, आमिश खान, देवनाथ यादव, भोला पाण्डेय, चन्द्र प्रकाश चौधरी, प्रशान्त यादव, संजय गौतम, दिनेश तिवारी, अशोक यादव, राहुल सिंह, चन्द्र प्रकाश चौधरी, सलीम, प्रभाकर वर्मा, तूफानी यादव, श्याम सुन्दर यादव, विश्वम्भर चौधरी, दीपक आर्य, पवन मोदनवाल, जर्सी यादव, जहीर अहमद, जयराज यादव, फूलचन्द भारती, जितेन्द्र यादव, रिंकी सिंह यदुराम यादव, पंकज निषाद आदि शामिल रहे।

एचआईवी ग्रस्त बच्चों की सेवा के लिये आगे आयी संस्थायें

गोद लेकर किया शिक्षण सामग्री, ऊनी वस्त्र का वितरण

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा जिला चिकित्सालय बस्ती में संचालित एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी, की एक नई पहल पर स्वयं सेवी संस्था ग्रामीण विकास सेवा समिति और उम्मीद संस्था द्वारा एचआईवी के साथ जीवन यापन कर रहे बच्चों गोद लेकर शिक्षण सामग्री एवं ठंड से बचाव हेतु वस्त्र वितरित किया गया ।

एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी के नोडल अधिकारी डॉक्टर महेश प्रसाद ने कहा कि जिले में एचआईवी के मामले में कमी लाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग एवं यूपीसैक की विभिन्न इकाइयों योद्धा के रूप में कार्य कर रही है, साथ की ग्रामीण विकास सेवा समिति एवं उम्मीद संस्था के इस बेहतर प्रयास की सराहना करते हुये बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा ग्रहण करने के लिये प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि हम विभाग के अन्य अधिकारियों से वार्ता करेंगे और अन्य जरूरत मंद बच्चों को गोद लेने का प्रस्ताव रखेंगे जिससे उनके दिनचर्या में वृद्धि होगी और बेहतर जीवन जी सकेंगे ।

कार्यक्रम को संचालित कर रही काउंसलर ज्योत्सना गुप्ता ने अनाथ बच्चों का संस्थाओं से परिचित कराया और उनके सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि शत प्रतिशत टीबी मरीजों का एचआईवी जांच टेस्ट होना जरूरी है । उन्होंने कहा कि सभी एचआईवी मरीजों का एआरटी की सेवा निःशुल्क उपलब्ध है ।

ग्रामीण विकास सेवा समिति के सचिव अंबुज कुमार यादव ने बताया कि संस्था द्वारा गोद लिए जा रहे बच्चों की गोपनीयता को ध्यान में रखा जाएगा और संस्था द्वारा भविष्य में भी 18 वर्ष से कम आयु के गरीब बच्चों को सहयोग प्रदान करेगी साथ की संस्था द्वारा चलाई जा रही एक युद्ध एचआईवी एड्स के विरुद्ध की मुहिम को जारी रखेगी ।

उम्मीद संस्था की काउंसलर अलका शुक्ला ने बताया कि एचआईवी रोगियों की मौत का सबसे बड़ा कारण टीबी है। बताया की विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक स्तर पर लोगों को जागरूक किया जा रहा है । आई सर्जन डॉ सीएल कनौजिया एवं दिशा यूनिट के सीपीएम अखिलेश सिंह ने कहा कि एचआईवी ग्रसित मरीजों को नियमित रूप से पौष्टिक आहार का सेवन करना चाहिए जिससे उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होगी और वह अपना बेहतर जीवन यापन कर सकते है । कार्यक्रम में एआरटी सेन्टर से अर्चना श्रीवास्तव, श्रवण पाण्डेय, सीमा गुप्ता, श्री नाथ मनी, आलोक कुमार लाल, सुयश श्रीवास्तव, जीवीएसएस के मोहम्मद अशरफ, प्रिया पांडे, दया शंकर, उम्मीद संस्था अलका मिश्रा, धर्मेश तिवारी, शिवांगी एवं सीएससी से अजय, अफरोज आदि ने सहभागिता की ।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 24 दिसम्बर 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

चुनाव नियमों में बदलाव

केंद्र सरकार ने चुनाव के कई नियमों में बदलाव कर दिए हैं। निर्वाचन आयोग (ईसी) की सिफारिश के आधार पर केंद्रीय कानून मंत्रालय ने सार्वजनिक निरीक्षण के लिए रखे गए 'कागजात' या दस्तावेजों के प्रकार को प्रतिबंधित करने के लिए चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93 में संशोधन किया है। इसे लेकर अब विपक्षी दलों ने केंद्र पर हमला बोला है। जहां कांग्रेस ने चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को लेकर सवाल उठाया है, वहीं लेफ्ट से लेकर आम आदमी पार्टी ने भी केंद्र के इस फैसले को कठघरे में खड़ा कर दिया है।

केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद मामले में कई सवाल उठने लगे हैं। मसलन– आखिर चुनाव आयोग ने किन नियमों को बदला है और अब किन दस्तावेजों को सार्वजनिक निरीक्षण के लिए नहीं रखा जाएगा? इसके अलावा इन नियमों को किस आधार पर बदला गया? हाल ही में केंद्र सरकार ने चुनाव नियमों में बदलाव करते हुए सीसीटीवी कैमरा,वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कतिपय इलेक्ट्रानिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण पर रोक लगा दी है। केंद्र सरकार का कहना है कि चुनाव आयोग की सिफारिश पर यह कदम उठाया गया। चुनाव संचालन नियम 1961 के नियम 93 में यह संशोधन किया गया। दलील दी गई कि इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों का दुरुपयोग रोकने के लिये यह कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव संबंधी रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने के लिये वकील महमूद प्राचा ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका डाली थी। जिसके बाद हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को हरियाणा विधानसभा चुनाव से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियां याचिकाकर्ता को उपलब्ध कराने को कहा था। दरअसल, प्राचा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव संचालन से संबधित वीडियोग्राफी, सीसीटीवी कैमरा फुटेज और फॉर्म 17–सी की प्रतियों की मांग याचिका के जरिये की थी। हालांकि, चुनाव एजेंट की नियुक्ति, नामांकन फार्म, परिणाम व चुनाव खाता विवरण जैसे दस्तावेजों का उल्लेख चुनाव संचालन नियमों में किया गया है। मगर दूसरी ओर आदर्श आचार संहिता अवधि के दौरान सीसीटीवी कैमरा फुटेज, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज इसके दायरे में नहीं आते। सरकार के द्वारा हालिया संशोधन इस बात की पुष्टि करता है कि केवल नियमों में उल्लेखित कागजात ही सार्वजनिक निरीक्षण के लिये उपलब्ध हो सकेंगे। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर पारदर्शिता की अवहेलना का आरोप लगाया है। साथ ही सरकार के फैसले को चुनौती देने की बात कही है।

दरअसल, चुनाव आयोग के अधिकारियों का कहना है कि मतदान केंद्रों के अंदर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के दुरुपयोग से मतदान की गोपनीयता प्रभावित हो सकती है। दलील दी गई है कि इस फुटेज का इस्तेमाल एआई का उपयोग करके फर्जी विमर्श गढ़ने के लिये किया जा सकता है। लेकिन सवाल यह है कि लोकतांत्रिक शुचिता के लिये पारदर्शिता को क्यों नजरअंदाज किया जाना चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीवंतता इसी बात में है कि नागरिकों के सूचना अधिकार का अतिक्रमण किसी भी तरह से न हो सके। निस्संदेह, इस चिंता से इनकार नहीं किया जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिये तथ्यों से खिलवाड़ संभव है। बहुत संभव है अपनी सुविधा के लिये कतिपय राजनीतिक दल नये विमर्श गढ़ सकें। लेकिन इसके बावजूद आम नागरिकों को उस चुनावी प्रक्रिया को जानने का हक है जिसके जरिये सरकार बनती है। निस्संदेह, किसी भी लोकतंत्र की विश्वसनीयता उसकी पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया पर निर्भर करती है। कतिपय सुरक्षा चिंताओं के नाम पर पारदर्शिता का अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। वहीं दूसरी ओर विपक्ष की मांगों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। सजग–सतर्क विपक्ष लोकतंत्र की सफलता के लिये अनिवार्य शर्त भी है। ऐसे में एआई के खतरे के नाम पर हर सूचना के अधिकार पर पहरा नहीं बैठाया जा सकता। वहीं ऐसे निर्णयों में विपक्ष की भागीदारी जरूरी है ताकि सत्तारूढ़ दल पर निरंकुश व्यवहार का आरोप न लग सके।

वैश्विक व्यापार में भारत की बदलती भूमिका

–सुरेश सेठ–

–अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट थामना जरूरी है। विदेशी व्यापार घाटा कम करके यह संभव है यानी निर्यात बढ़ाएं और आयात वृद्धि रोकें। बेशक ज्यादा विदेशी निवेश आकर्षित करना, एफटीए व नवाचार जैसे उपाय इसमें कारगर हैं। वहीं आर्थिकी के विभिन्न सेक्टर्स को निर्यात प्रतिस्पर्धी भी बनाना होगा।

भारत अपनी मुद्रा के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले निरंतर गिरावट को लेकर चिंतित है। इस समस्या से निपटने के लिए ब्रिक्स सम्मेलन में प्रस्तावित किया गया कि तीसरी दुनिया के देशों और रूस के साथ व्यापार अपनी–अपनी मुद्राओं में किया जाए या डॉलर के बजाय एक वैकल्पिक मुद्रा का उपयोग किया जाए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि डॉलर के मुकाबले वैकल्पिक मुद्रा की कोशिशों पर सौ प्रतिशत टैरिफ बढ़ा दिया जाएगा, जिससे व्यापार प्रभावित हो सकता है। फिलहाल, भारत को अपनी आयात–आधारित अर्थव्यवस्था को बदलकर निर्यात–आधारित अर्थव्यवस्था में रूपांतरित करने की आवश्यकता है, और निवेश आकर्षित करने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है, ताकि वैश्विक निवेशक भारत की ओर आकर्षित हो सकें।

अमेरिका वैश्विक व्यापार में बहुत बड़ी हिस्सेदारी रखता है, जबकि भारत की हिस्सेदारी केवल 1 प्रतिशत है। भारत को अधिकांश सामान जैसे कच्चा तेल और फार्मा उद्योग के लिए आवश्यक सामग्री आयात करनी पड़ती है। दरअसल, हम अमेरिका और चीन पर अत्यधिक निर्भर हैं, हालांकि चीन के उत्पादों के निर्यात कम करने की कोशिशों के बावजूद व्यापारिक निर्भरता कम नहीं हुई है। भारत को आत्मनिर्भर बनकर आयात को कम करने और निर्यात बढ़ाने की दिशा में जल्दी कदम उठाने की आवश्यकता है, लेकिन पिछले साल निर्यात वृद्धि बहुत कम रही और आयात की निर्भरता बनी रही।

भारत ने आशा व्यक्त की थी कि कोविड महामारी के बाद चीन की कमजोर स्थिति के चलते वह विदेशी निवेश को आकर्षित कर सकेगा। ट्रम्प ने चीन से आयात पर अतिरिक्त शुल्क बढ़ाने की घोषणा की थी, और कनाडा, मैक्सिको से भी आयात पर शुल्क लगाया गया था, जबकि हाल ही में चेतावनी को छोड़ दें तो भारत के विरुद्ध इतने बड़े स्तर पर ऐसा कदम शायद ही उठाया गया हो। चीन के आर्थिक संकट में निवेशक वहां पैसा लगाने से हतोत्साहित हो रहे हैं, जिससे 'चीन प्लस वन' रणनीति को लागू करने की बात की जाती रही है, ताकि भारत एक आकर्षक निवेश स्थल बने। हालांकि, नीति आयोग का कहना है कि इसमें सीमित सफलता मिली है। इसके मुकाबले, वियतनाम, थाईलैंड, कंबोडिया और मलेशिया को अधिक लाभ हुआ क्योंकि वहां सस्ता श्रम, सरल कर कानून, कम शुल्क और तेज मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

भारत के लिए बेहतर यह हो सकता है कि वह वैश्विक व्यापार में अपने स्थान को मजबूत करे, लेकिन नौकरशाही, लालफीताशाही और भ्रष्टाचार इसके मार्ग में रुकावट डाल रहे हैं। अनुसंधान और नवाचार की कमी, साथ ही एफटीए समझौतों में असफलता, भारत को अन्य देशों की तरह सफलता दिलाने में विफल रही। जबकि अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर सख्त शुल्क लगा दिए, बहुराष्ट्रीय कंपनियां चीन के विकल्प की तलाश कर में रहीं, लेकिन यह अवसर भारत में नहीं आ सका। इसके परिणामस्वरूप, व्यापार में श्रम सघन क्षेत्रों में भारत की हिस्सेदारी घट गई और कृषि उत्पादों में प्रतिस्पर्धा नहीं बढ़ पाई। बासमती चावल का पेटेंट हमारे पास होने के बावजूद, पाकिस्तान ने उसकी नकल कर ली। किसानों को निर्यात प्रोत्साहन नहीं मिल सका क्योंकि सरकार की अनुदान नीति के कारण अनाज की कीमतें बढ़ने नहीं दी गईं। भारत अपने निर्माण और विनिर्माण क्षेत्र में प्रगति करने में अग्रणी देशों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सका। उच्च लागत, गिरते मुद्रा मूल्य और सस्ते निर्यात के कारण उत्पादकों को घाटा हो रहा है, जिससे स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया। नीति आयोग ने चीन प्लस वन रणनीति की सीमित सफलता को स्वीकार किया है। हालांकि, पहले चीन में निवेश से बचकर व्यापार विविधता की आवश्यकता उत्पन्न हुई थी, भारत इस अवसर को अभी तक पूरी तरह से भुना नहीं सका। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक ने भी कहा कि ट्रम्प की घोषणाएं भारत के लिए एक बड़ा अवसर हैं।

अगर अब भारत खुद को सही तरीके से तैयार करता है, तो यहां एक बड़ा आर्थिक उछाल आ सकता है, क्योंकि भारत का वैश्विक व्यापारिक चेहरा बदलने वाला है। अमेरिका, जो भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार है, के साथ संबंध मजबूत हो रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भी भारत की 'वोकल फॉर लोकल' नीति की सराहना की है और यहां निवेश बढ़ाने की घोषणा की है। हालांकि, विदेश मंत्री एस. जयशंकर का कहना है कि सिर्फ निवेश बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, रूस को भारतीय उत्पादों के लिए अपने बाजार भी खोलने चाहिए। यदि निर्यात बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए जाते हैं, तो बदलती स्थिति और भी आकर्षक बन सकती है।

पिछली तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर में गिरावट आई है, जबकि सरकार का लक्ष्य 2047 तक 7 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखना है। इस गिरावट ने भारत सरकार को सतर्क किया है कि वह अपने सार्वजनिक निवेश को घटाने के बजाय स्थिर बनाए रखे, क्योंकि यह पूंजी निर्माण में सहायक है। घरेलू निवेशकों द्वारा कमी को पूरा किया जा सकता है, लेकिन विदेशी निवेशकों का समर्थन आवश्यक है, ताकि भारत चीन की जगह निवेश का आकर्षक स्थल बन सके। तभी भारत अपनी बेरोजगारी दर को कम कर सकेगा और मंडियों की मांग को पूरा कर सकेगा। इसके लिए यथास्थितिवाद पर्याप्त नहीं होगा, जैसा कि मौद्रिक नीति में रेपो रेट में कोई बदलाव न करने से स्पष्ट है। सरकार को साहसिक निर्णय और सभी क्षेत्रों में समावेशी उद्यमिता को बढ़ावा देना चाहिए।

–लेखक साहित्यकार हैं।

भागवत के बयान से उपजी उम्मीदें

–ज्योति मल्होत्रा–

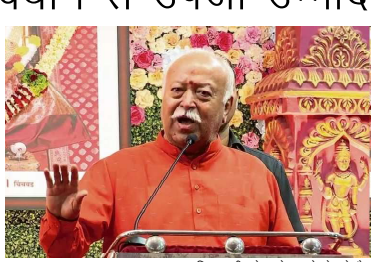

हाल में पुणे में संबोधन के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा की गयी टिप्पणी राहत का अहसास कराती है जिसमें सभी देशवासियों से मिलजुलकर रहने की जरूरत का आह्वान किया है। दिलचस्प उनकी ओर से सरकार को देश की विविधतापूर्ण विरासत की याद दिलाना भी है। शायद उन्होंने महसूस किया कि एक समुदाय का बड़ा नेता बनने की होड़ वाली राजनीतिक सोच शुरू में ही निर्मूल कर दी जाये।

अब जबकि यह साल खत्म होने को है, ऐसा कहना शायद अतिशयोक्ति न होगी कि कई मायनों में 2024 आरएसएस प्रमुख मोहन भुकर राव भागवत का साल रहा। पुणे में बीते गुरुवार को संघ प्रमुख ने सहजीवन व्याख्यानमाला में 'भारतदृविश्वगुरु' विषय वस्तु पर अपने संबोधन के दौरान जो नवीनतम टिप्पणियां की हैं, वे राहत प्रदान करने की दिशा में काफी चौंकाने वाली लगती हैं।

उनका यह कहना कि 'मंदिर–मस्जिद विवाद अस्वीकार्य हैं'और यह भी कि 'राम मंदिर के निर्माण के बाद, यदि कुछ लोग सोचने लगे हैं कि नई–नई जगहों पर वे इस तरह के मुद्दों को उठाकर हिंदुओं के नेता बन सकते हैं, तो यह कबूल नहीं है', आगे कहा कि 'कौन अल्पसंख्यक है और कौन बहुसंख्यक'और खुद ही इस सवाल का जवाब दिया:'सभी समान हैं'।

कहां तो संविधान द्वारा एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की गारंटी दिए जाने के 75 साल बाद, भागवत की टिप्पणियों को सामान्य माना जाना चाहिए था। लेकिन इसकी बजाय, इन्हें राहत की बात माना जा रहा है द्य और सुर्खियों की भी। आरएसएस प्रमुख को अपनी ही सरकार को याद दिलाने में समय लग गया कि देश ऐसे लोगों से बना है जिनके विचार, परंपराएं, रीति–रिवाज, धर्म और भाषाएं एकदम अलहदा हैं। और अगर इस 'खिचड़ी' को अपना विशिष्ट स्वाद बनाए रखना है, तो शायद इसे 'एक राष्ट्र–एक लोग' के शिंकजे में जकड़ने के कोई मायने नहीं हैं।

अनुमान के मुताबिक , राजनीतिक रूप से वामपंथी सोच वाले उनके पुणे भाषण में कोई न कोई कमी ढूंढने में लग गए दुकहीं अनुवाद में कुछ गड़बड़ तो नहीं, क्योंकि भागवत ने अपना संबोधन मराठी में दिया था। वहीं कयास से उलट, राजनीतिक रूप से दक्षिणपंथी भी शायद यह सोच रहे होंगे कि भागवत ऐसे वक्त पर स्तंभ पर बंधे भगवा ध्वज की डोर खींचकर उसे फहराने से परहेज क्यों कर रहे हैं, खासकर तब, जबकि मुसलमानों पर हिंदुत्व की जीत क्षितिज पर मंडरा रही है।

यह स्पष्ट नहीं है कि भागवत को कब बात खटक गई और किस वजह से उन्होंने पुणे में यह टिप्पणी की। आखिरकार, आरएसएस की स्थापना की 100वीं वर्षगांठ मनाने के लिए साल भर चलने वाले समारोहों की शुरुआत के कुछ हफ्तों बाद, और क्रिसमस से कुछ दिन पहले (जिसे मोदी सरकार ने 'सुशासन दिवस' घोषित कर रखा है, जो एक कार्यदिवस भी है) उनका यह कहना कि 'हमें साथ रहना चाहिए' दृ हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, सभी को दृ यह कथन अनोखा और दिलचस्प दोनों है।

कुछ हफ्ते पहले संभल मस्जिद के वास्तु के आधार पर इसके मूल स्वरूप को लेकर समुदायों के बीच हुई झड़प के बाद पुलिस की गोलीबारी में पांच लोगों की बेवजह मौत हो गई थी, लगता है इसके बाद से भागवत को अहसास हुआ है कि खुद को बेहतर हिंदू नेता सिद्ध करने वाली इस प्रतिस्पर्धात्मक राजनीति को जड़ पकड़ने से पहले ही खत्म कर देना सही होगा।

शायद उन्होंने देख लिया है कि भारत के 20 करोड़ मुसलमान, जो कि आबादी का 14 प्रतिशत हैं, उन्हें भी बाकी लोगों की तरह शांति और समानता से यहीं बसना है, और देश के एक अन्य विभाजन के बारे में विचार भी सोच के दायरे से परे है। किसी और की तुलना में शायद उन्होंने करीब मंडरा रहे खतरों को पहचान लिया है। कदाचित उन्होंने अपने चारों ओर देखा और पाया कि कैसे दृ और क्यों दृ सीरिया, अफगानिस्तान और फिलिस्तीन जैसे इस्लामी राष्ट्र पिछले कुछ वर्षों में भरभरा कर ढह गए। भारत के मुसलमान कहां जाएं, यदि उनके आत्मसम्मान को कुछ लोग चोट पहुंचाने की कोशिश करें। बुलडोजर चलाने वाली गर्मपंथी सोच पर भी सवाल उठे हैं।

आखिरकार, 2018 में भी भागवत ने दिल्ली में संवाददाताओं से कहा था कि 'मुसलमानों के बिना हिंदुत्व अधूरा है'। और पिछले साल, जब इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वेक्षण करने की अनुमति दी ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या यह कभी मंदिर था और टीवी पत्रकार इस निर्णय के निहितार्थों को लेकर हल्ला मचाने लगे, तो भागवत ने शांति से कहा, 'हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग की तलाश क्यों करना'?

निश्चित ही, यह बात कोई नहीं मानेगा कि आरएसएस प्रमुख और पीएम मोदी एक जैसे नहीं हैं या पिछले एक दशक में भाजपा के सत्ता में रहने से आरएसएस को बहुत लाभ नहीं हुआ है। बेशक, हुआ है। आरएसएस को पता है कि अगर मोदी नहीं होते, तो अयोध्या में राम मंदिर नहीं होता या दुनिया भर के 39 देशों में इसका विस्तार नहीं होता। आरएसएस प्रमुख के विचार इस बारे में स्पष्ट हैं कि सभी धर्मों के सभी भारतीय 'हिंदू' हैं, क्योंकि एक समय में उनके पूर्वज भी हिंदू थे। अक्तूबर माह की शुरुआत में विजयादशमी पर अपने संबोधन में भागवत ने स्पष्ट किया था कि उनके पास 'उदारवादी एवं प्रगतिशील विचार और सांस्कृतिक मार्क्सवाद' के लिए समय नहीं है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी हिंदुओं को भारत से मदद की जरूरत है। लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

किसानो की बुलंद आवाज थे चौधरी चरण सिंह

–रमेश सर्राफ धमोरा–

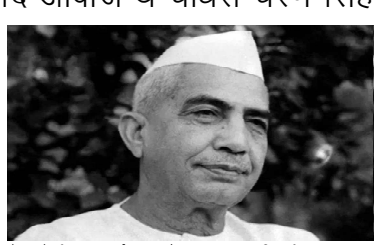

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। वो कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उन का कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता।

चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोडने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हे 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है।

चौधरी चरण सिंह खुद एक छोटे से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुख: दर्द को नजदीकी से देखा जाना था। इसलिये उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे।

उन्होने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितो, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे।

आज देश के किसान कर्ज में डूबे हुये हैं। उनको उनकी उपज का पूरा दाम नहीं मिल पाता है। अपनी खराब आर्थिक स्थिति के चलते देश में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहें हैं। केन्द्र व राज्य सरकारें भी किसानो के भले की योजनायें बना पाने में नाकाम रही है। चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां किसानो को झांसा देकर उनके वोट बटोर लेती है। फिर किसी का ध्यान किसानो की समस्याओं के समाधान करने की तरफ नहीं जाता है। ऐसे में आज देश के किसानो को चौधरी चरणसिंह जैसे सच्चे किसान हितैषी नेता की जरूरत है। जो उनके हक में खड़ा होकर किसानो की आवाज बुलन्द कर सके व उनका वाजिब हक दिला सके। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति में एक बड़े नेता थे। मगर इंदिरा गांधी के सहयोग से कुछ समय के लिये देश के प्रधानमंत्री बन कर उन्होने देश में पहली बार कांग्रेस के खिलाफ बने एक मजबूत गठबंधन को तोड़ा था। उससे उनकी प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात पहुंचा था।

चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर सम्पूर्णानंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होने किसानों के हित में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को पारित कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए वो एक राजनीतिज्ञ से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी।

किसानो में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। 17 फरवरी 1970 को वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। अपने सिद्धांतों से उन्होने कभी समझौता नहीं किया। 1977 में चुनाव के बाद जब केन्द्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया गया। केन्द्र में गृहमंत्री बनने पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे उप प्रधानमंत्री बने। बाद में मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद हो गये। 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक चौधरी चरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस के सहयोग से भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने।

चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहान्त हुआ तो देश के किसानो ने सरकार में पैरवी करने वाला अपना नेता खो दिया था। लोगों का मानना था कि चरण सिंह से राजनीतिक गलतियां हो सकती हैं लेकिन चारित्रिक रूप से उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की। इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलन्द करते हुये आह्वान किया था कि भ्रष्टाचार का अन्त ही देश को आगे ले जा सकता है।

ईंट से कूच–कूचकर 75 वर्षीय वृद्ध की हत्या

संवाददाता–गोण्डा। जिले के झंझरी देहात कोतवाली क्षेत्र के टेढ़ी नदी गोड़वाघाट शमशान स्थल पर सोमवार सुबह वृद्ध की ईंट से कूच–कूचकर हत्या कर दी गई। इससे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके से वृद्ध की साइकिल, खून से सने ईंट बरामद किए हैं। बड़े बेटे की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। वहीं, फॉरेंसिक विशेषज्ञों के साथ डॉग स्क्वायड की टीम ने छानबीन की है। देहात कोतवाली क्षेत्र के वनघुसरा निवासी राम सजीवन ने बताया कि वह गोंडा मजदूरी के लिए गए थे। जबकि उनका छोटा भाई ईश्वरनाथ संतकबीरनगर में सफाई कर्मचारी है। उनके वृद्ध पिता गंगा प्रसाद (75) घर पर रहकर देखभाल कर रहे थे। शनिवार सुबह करीब आठ बजे वनघुसरा स्थित घर से करीब एक किलोमीटर दूर साइकिल से बनवरिया–बनघुसरा सरहद पर स्थित गोड़वाघाट गए थे। इसके बाद वहां शमशान घाट पर मरणासन्न स्थिति में पड़े होने की जानकारी पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने खून से लथपथ वृद्ध गंगा प्रसाद को मेडिकल कॉलेज ले गई। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। देहात कोतवाल संजय कुमार सिंह ने बताया कि घटनास्थल से ईंट और वृद्ध की साइकिल पड़ी पाई गई है। प्रथमदृष्टया सिर और चेहरे पर ईंट से वार किए गए हैं। वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। बड़े बेटे राम सजीवन की तहरीर लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है साथ ही घटनास्थल से डॉक स्वाक्वड और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किया है। वहीं, अज्ञात के खिलाफ हत्या के आरोपों में केस दर्ज किया गया है। घटना संबंधी सुराग तलाशे जा रहे हैं।

रेलवे माल गोदाम से स्पंज आयरन की चोरी में पांच गिरफ्तार, एसपी ने किया घटना का खुलासा

संवाददाता–बलरामपुर। बलरामपुर रेलवे स्टेशन के माल गोदाम से स्पंज आयरन की चोरी के मामले में पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 32 हजार रुपये नकदी व 1.75 लाख रुपये की कीमत वाले पांच स्मार्ट फोन भी बरामद किए गए हैं। एसपी विकास कुमार ने सोमवार को घटना का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 20 दिसंबर 2024 को प्रकाश रोड लाइंस असुरन चौक थाना शाहपुर जनपद गोरखपुर निवासी जय प्रकाश पांडेय ने बलरामपुर नगर कोतवाली में तहरीर दी थी। तहरीर में उन्होंने बताया था कि बलरामपुर रेलवे स्टेशन के माल गोदाम के बगल में रखे स्पंज आयरन को वह विभिन्न फैक्ट्रियों में रेलवे वैगन के माध्यम से सप्लाई का कार्य करते हैं। जंगल तुलसीराम बिछिया वार्ड शिवपुर थाना शाहपुर जनपद गोरखपुर निवासी हरिकेश पांडेय ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर फर्जी कूटरचित अभिलेखों के जरिए 40 टन स्पंज आयरन चोरी से बेच दिया है। नगर कोतवाली में केस दर्ज होने पर अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी नम्रिता श्रीवास्तव व क्षेत्राधिकारी नगर बृजनंदन राय के नेतृत्व में नगर कोतवाली की पुलिस व स्वाट टीम को घटना के अनावरण की जिम्मेदारी सौंपी गई।

पुलिस टीम ने मामले की छानबीन करके हरिकेश पांडेय के साथ थाना महराजगंज तराई के रजवापुर निवासी सुरेश द्विवेदी, थाना हरैया के मणिपुर बाजार निवासी रमेश कुमार ठठेर, जनपद कानपुर नगर के थाना रायपुरवा सिटी क्लब जीटी रोड अनवरगंज निवासी आशीष गुप्त उर्फ तन्नू तथा थाना महराजगंज तराई के जयनगरा निवासी महमूदुर्रहमान को गोंडा–बलरामपुर मार्ग पर फुलवरिया बाईपास चौराहे से गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से 32 हजार रुपये नकदी व पांच स्मार्ट फोन बरामद किया गया है। सभी अभियुक्तों को न्यायालय भेजा गया है।

दिनदहाड़े दरवाजा तोड़कर घुसे चोरों ने जेवरात उड़ाए

संवाददाता–महराजगंज। सिसवा कस्बे के मीराबाई नगर मोहल्ले में सोमवार को दिनदहाड़े चोरी की वारदात से हड़कंप मच गया। दरवाजे को तोड़कर घर में घुसे चोरों ने जेवरात चुरा लिए। घर के बगल स्थित मकान के सीसीटीवी कैमरे की मदद से पुलिस जांच कर रही है। सिसवा नगर पालिका क्षेत्र के मीराबाई नगर के अल्कापुरम निवासी विनोद उर्फ कल्लू सोनी अपने भांजे गोलू सोनी के साथ अपने मकान में रहता है। विनोद कस्बे के इस्टेट तिराहा स्थित कृष्णा मंदिर के बगल में एक दुकान पर काम कर अपना जीविकोपार्जन करता है।

कॉलेज में व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन

संवाददाता–गोण्डा। आचार्य नरेंद्र देव किसान पीजी कॉलेज गणित दिवस के उपलक्ष में व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम देश के महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के 137वीं जन्म जयंती के उपलक्ष में आयोजित किया गयाग्र कार्यक्रम के आयोजक और संचालक डॉ शेष कुमार पाण्डेय के अनुसार व्याख्यान श्रृंखला में बेहतरीन वक्ता डॉ अंकिता रहीं। वह प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप विजेता और आईआईटी दिल्ली में सीनियर रिसर्चर हैं। दूसरे वक्ता डॉ पीके द्विवेदी एसोसिएट प्रोफेसर तथा डॉ प्रवेंद्र पाल सिंह सीकर यूनिवर्सिटी राजस्थान से रहे। इन सभी वक्ताओं ने रामानुजन के जीवन, उनके अकादमी कार्य और गणित में उनके महत्वपूर्ण योगदान को विस्तार से विद्यार्थियों को बतायाद्ध इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रोफेसर धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने किया। महाविद्यालय के अनुशासन मंडल के अध्यक्ष डॉ अखिलेश्वर प्रसाद शुक्ल ने अपने विचार रखे।

सजग और सतर्क रहने की है जरूरत –एडीजे

संवाददाता–गोण्डा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में स्टेशन रोड स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में महिला सशक्तिकरण व महिलाओं को उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए श्रविधान से समाधानश कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अपर जिला जज व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दानिश हसनैन ने कहा कि महिलाओं को अपने विधिक अधिकारों को जानना चाहिए। जिससे वो अपने आपको किसी भी प्रकार के शोषण से बचा सकें। उन्होंने साइबर अपराधों के प्रति सजग और सतर्क रहने की बात कही। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे स्वयं भी जागरुक बनें और इसके साथ ही अन्य लोगों में भी विधिक जागरुकता पैदा करें। कार्यक्रम को एडीपीआरओ गोवर्धन जैन, वरिष्ठ अधिवक्ता रुचि मोदी, वन स्टाप सेंटर अधीक्षिका चेतना सिंह, बाल संरक्षण अधिकारी चंद्रमोहन वर्मा, तहसीलदार सदर अहमद हसन, बाल विकास परियोजना अधिकारी राम प्रकाश मौर्य, डिफेंस काउंसिल बृजलाल तिवारी, डा. जय गोविन्द व चाइल्ड लाइन के आशीष मिश्रा ने भी संबोधित किया। संचालन पैनल अधिवक्ता टेली ला अविनाश चंद्र श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य गीता त्रिपाठी, डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसिल अनिमेष चतुर्वेदी, विधिक सेवा प्राधिकरण के वरिष्ठ लिपिक मुकेश वर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में छात्राएं, महिलाएं व अन्य लोग उपस्थित रहे।

मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों ने आजमाए दम

संवाददाता–गोंडा। शहर के जानकीनगर क्षेत्र में संचालित सुवन्स मिलेनियम पब्लिक स्कूल में सोमवार सुबह सात बजे के करीब पहली मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में स्कूली छात्र–छात्राओं के अलावा प्रदेश स्तर के एथलीटों ने हिस्सा लिया। आठ किलोमीटर की दौड़ में चंदौली के राम दुलारे सिंह ने प्रथम, भिनगा के धर्मेंद्र वर्मा द्वितीय एवं चंदौली के बालेश्वर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, पांच किलोमीटर मैराथन दौड़ में दीपक यादव नवाबगंज प्रथम, श्रावस्ती के वाणी राणा ने द्वितीय और करनैलगंज के सलमान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। दो किलोमीटर मैराथन दौड़ में ऋतिक मिश्रा ने प्रथम रमेश सिंह द्वितीय और अविरल सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मैराथन दौड़ प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि सपा नेता सूरज सिंह ने सभी विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया। सूरज सिंह ने कहा कि स्वस्थ शरीर के लिए लोगों के लिए खेल कूद और योग बहुत जरूरी है। स्वच्छ मन से स्वस्थ शरीर का विकास होता है। विशिष्ट अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी अशोक कुमार सोनकर ने प्रथम मैराथन दौड़ की सराहना करते हुए विद्यालय के उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य रीना तिवारी ने बताया कि प्रथम विजेता को 5100, द्वितीय 2100 और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 1100 रुपये देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने स्पोर्ट्स टीचर शाहीन, दीपक सहित सभी शिक्षकों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि विद्यालय परिवार सदैव खेल से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। विद्यालय परिवार ने जिले की प्रथम मैराथन दौड़ आयोजित कर स्वस्थ एवं फिट रहने का बड़ा संदेश देने का काम किया है।

किसानों के उत्थान के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध

संवाददाता–श्रावस्ती। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती सोमवार को धूमधाम से मनायी गयी। इस दौरान कलेक्ट्रेट स्थित तथागत हाल में किसान सम्मान दिवस का आयोजन भी किया गया। वहीं राप्ती बैराज स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ विधायक रामफेरन पाण्डेय, डीएम अजय कुमार द्विवेदी, सीडीओ अनुभव सिंह व पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष महेश मिश्रा ओम ने चौधरी चरण सिंह के चित्र पर माल्यार्पण व द्वीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम के दौरान मिलेट्स अनाजों व कृषि, उद्यान, मत्स्य, लघु सिंचाई, पशुपालन सहित विभिन्न विभागों की ओर से स्टाल लगाए गए। विधायक, डीएम व सीडीओ ने स्टॉलों का अवलोकन किया। इस मौके पर विभिन्न फसलों में बेहतर उत्पादन करने वाले 63 किसानों को अंग वस्त्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रकाश चन्द्र, डाक्टर मानव आदि मौजूद रहे। इसी तरह भिनगा तहसील के राप्ती बैराज पर स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती मनाई गई। राष्ट्रीय लोक दल के जिलाध्यक्ष राजकुमार ओझा ने फूल माला चढ़ा कर श्रद्धांजलि दी। राजकुमार ओझा ने कहा कि चौधरी चरण सिंह किसानों के मसीहा थे। इस मौके पर राजेश शुक्ला, सैयद अली शाह, मोहम्मद हुसैन, पप्पू तिवारी, सुरेंद्र कुमार पांडेय आदि लोग मौजूद रहे। वहीं ग्राम प्रधान मोहम्मद आजाद ने भी प्रतिमा पर फूल माला चढ़ा कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर निसार अहमद, जमील खान, लहरी बाबू, भोला प्रसाद, अय्याज अहमद, अहमद और नफीस समेत कई किसान मौजूद रहे।

नेपाल सीमा से लगे गांवों पर टिकी गृहमंत्रालय की नजर, एसएसबी कर रही सर्वे

संवाददाता–बहराइच। नेपाल सीमा के समानांतर भारतीय गांवों की बिगड़ रहे भौगोलिक स्थिति पर केंद्रीय गृह मंत्रालय की नजरें टिकी हुई हैं। सीमावर्ती गांवों से जुड़ी रिपोर्ट तलब किया है। जिसके तहत सुरक्षा में लगी एसएसबी की अलग–अलग टीमें गांवों में जाकर निर्धारित आंकड़े जुटाने में लगी हुई हैं। इसमें पूर्व के आंकड़ों के आधार पर आबादी, मतदाता, महिला व पुरुष आबादी की स्थिति से जुड़ी रिपोर्ट गृह मंत्रालय को भेजी जानी है। नेपाल के समानांतर बहराइच की 101 किलोमीटर सीमा लग रही है। इस सीमा से भारतीय क्षेत्र के पांच थाने सुजौली, मोतीपुर, मुर्तिहा, नवाबगंज और रूपईडीहा लगे हुए हैं जिनसे एसएसबी समन्वय कर सीमा की सुरक्षा कर रही है। संवेदनशील सीमा होने की वजह से देश विरोधी गतिविधियों पर अंकुश को लेकर हर साल सीमावर्ती गांवों की स्थिति का आकलन गृह मंत्रालय की ओर से कराया जा रहा है। जिसके तहत इस बार भी एसएसबी 42वीं वाहिनी की ओर से सीमा से लगे 350 गांवों में सर्वे किया जा रहा है। इसमें सीमावर्ती गांवों में क्या हो रहा है, इसकी जानकारी एसएसबी उपलब्ध करवाती है।

गृह मंत्रालय का आदेश जिला मुख्यालय को मिला है। ऐसे में सीमावर्ती गांवों में जाकर एसएसबी जवानों ने आंकड़े एकत्र करना शुरू कर दिया है। एसएसबी 42वीं वाहिनी के उप कमांडेंट प्रचालन पवन कुमार ने बताया कि प्रतिवर्ष यह कार्यवाई की जाती है। गृह मंत्रालय के आदेश पर सीमावर्ती गांवों में आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। वहीं एसएसबी जवान गांव के ग्राम प्रधान और अन्य लोगों से वार्ता कर गांव के भौगोलिक स्थिति के बारे में जानकारी ले रहे हैं।

एसएसबी 59वीं बटालियन के चितलहवा बोर्डर के जवान रविवार को ग्राम पंचायत उर्रा में पहुंचे। जवानों ने उर्रा, मधवापुर, अमृतपुर, हरखापुर, लाल बोझा समेत नौ गांवों में जाकर आंकड़े एकत्र किया। एसएसबी के सहायक निरीक्षक प्रेम चंद ने बताया कि गांव संग मजरे की आबादी, मतदाता, पुरुष और महिला की उपस्थिति, समुदाय की प्रतिशत, संबंधित गांव में मकानों की संख्या, मंदिर और मस्जिद के बारे में जानकारी ली जा रही है।

दिसंबर माह के अंतिम सप्ताह में प्रारंभ होगी जूडो प्रतियोगिता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।जूडो एसोसिएशन फैजाबाद द्वारा शीघ्र ही एक जूडो प्रतियोगिता का आयोजन दिसंबर माह के अंतिम सप्ताह में संपन्न होना है, जिसमें ग्रामीण परिवेश के जूडो खिलाड़ियों को विशेष रूप से प्रति भाग कराया जाएगा।अतः प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक जूडो खिलाड़ी चाहे वह फैजाबाद के हो या किसी भी ब्लॉक से संबंध रखते हो यदि भाग लेना चाहते हैं तो वे अपना आधार कार्ड तथा अपना वजन एवं प्रमाणिक जन्मतिथि इन नंबरों में से किसी पर व्हाट्सएप करके सूचित करें।9336865708, 959832006, 99839632216 और अपना व्हाट्सएप नंबर भी भेजे प्रवेश निशुल्क होगा। शीघ्र ही आपको प्रतियोगिता की तिथि भी सूचित की जाएगी। यदि आपने बेल्ट टेस्ट भी क्वालिफाइ कर लिया है तो वह भी बताएं। स्वयं यदि मिलना है। तो डॉक्टर रानी अवस्थी गोलाघाट अयोध्या में प्रातः 8:00 से 10:00 अथवा सायरू काल 4:00 बजे से 6:00 के मध्य मिले।

निजी अस्पताल की नर्स से सहकर्मी ने किया दुष्कर्म

संवाददाता–गोण्डा। एक नर्स के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने शादी का झूठा वादा किया और बाद में इंकार कर दिया। नगर कोतवाली क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में काम करने वाली नर्स के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। अस्पताल में काम करने वाले युवक ने नर्स के साथ दुष्कर्म किया, विरोध करने पर मारपीट की। इसके बाद कार्यवाही से बचने के लिए पीड़िता से निकाह करने को कहा। बाद शादी से इनकार कर दिया। आरोपी की हरकतों से आजिज नर्स ने एसपी से न्याय की गुहार लगाई। एसपी के आदेश पर नगर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव में रहने वाली पीड़िता के मुताबिक वह शहर के उतरौला रोड पर स्थित एक निजी अस्पताल में नर्स के तौर पर काम करती है। अस्पताल में काम करने के दौरान सहकर्मी रहीश से उसकी मुलाकात और जान–पहचान हो गई। आरोप है कि बीते पांच दिसबंर को रहीश ने पीड़िता को फोन करके महराजगंज स्थित एक मेडिकल स्टोर के पास बुलाया। पीड़िता को मेडिकल स्टोर के ऊपर बने कमरे में ले जाकर जबरन यौन शोषण किया।

आरोप है कि पीड़िता ने जब विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि मामला कोतवाली पहुंचा तो आरोपी ने 16 दिसम्बर को निकाह करने की बात कहकर सुलह कर लिया। उसके बाद तय तारीख पर पीड़िता ने फोन से जब संपर्क किया तो आरोपी ने शादी करने से इनकार कर दिया।

पीड़िता ने कोतवाली में शिकायत की लेकिन कोई कार्यवाही न होने पर एसपी को शिकायती पत्र देकर इंसाफ की गुहार लगाई। नगर कोतवाली संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध दुष्कर्म सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

सभी कार्यालय व शाखा होंगे पेपर लेस –एसपी

संवाददाता–श्रावस्ती। एक जनवरी से पुलिस विभाग के कार्यालय व सभी शाखा ई आफिस में बदल जाएंगे। जिसके बाद आफिस पेपर लेस होंगे और सभी कार्य आनलाइन किए जाएंगे। ई आफिस पद्धति को सफल बनाने के लिए प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट का गठन किया गया है। शासकीय कार्य पद्धति को पेपर लेस आफिस में बदलने के लिए एक जनवरी 2025 से समस्त कार्यालय व शाखाओं में पत्रावलियों का व्यवहरण व पत्राचार ई आफिस के माध्यम से किया जाएगा। जिसके लिए सोमवार को पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की ओर से पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सभी शाखा के प्रभारियों के साथ गोष्ठी की। गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक की ओर से पेपर लेस आफिस पद्धति के क्रियान्वयन के लिए प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट का गठन किया गया। जिसके नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव को बनाया गया है। नोडल अधिकारी बने एएसपी इस प्रकिया को प्रभावी रुप से लागू करवाएंगे। जिन शाखाओं में इंटरनेट, कम्प्यूटर सिस्टम उपलब्ध नहीं है। वहां तत्काल संसाधन उपलब्ध कराने के लिए एसपी ने संबंधित को निर्देश दिया है। जिससे ई–आफिस पद्धति को सुचारू रुप से लागू किया जा सके। इस मौके पर एएसपी प्रवीण कुमार यादव, सीओ भिनगा संतोष कुमार, सीओ इकौना सतीश कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

प्रधानाचार्य परिषद ने विभिन्न मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

संवाददाता–गोंडा। उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद ने सोमवार को शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए सीएम से संबोधित ज्ञापन डीआईओएस डॉ. राम चन्द्र को सौंपा है। अध्यक्ष धर्मवीर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद शिक्षा में गुणवत्ता वृद्धि के लिए सतत प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 752 प्रधानाचार्य तदर्थ रूप से कार्यरत है। उन्होंने तदर्थ प्रधानाचार्यों की सेवा को नियमित करने की मांग करते हुए कहा कि इससे शिक्षा व्यवस्था में सुधार आएगा। धर्मवीर सिंह ने कहा कि स्व वित्त पोषित एवं संस्कृत विद्यालयों में कार्यरत वित्त विहीन प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को मानदेय की मांग की है। जिला मंत्री सहदेव सिंह ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा के तदर्थ प्रधानाचार्यों को विनियमित कर तदर्थवाद से मुक्त किया जाए। इसके साथ ही डीआईओएस को दिए पत्र में बताया कि विगत कई वर्षों से जिले के सामान्य भविष्य निधि खाता लेखा पर्ची निर्गत नही हो पा रही है। कुछ विद्यालयों का जीपीएफ रजिस्टर बंडल कार्यालय में काफी दिनों से रखा है। जिसे सत्यापित कराकर विद्यालय को वापस भेजवाया जाए। परिषदीय परीक्षा 2023–24 का पारिश्रमिक दिलाया जाए। तीन महीने से एमडीएम का कन्वर्जन कॉस्ट नही मिला है। इस दौरान बृजेश द्विवेदी, शिवेंद्र प्रताप सिंह, राधा मोहन पांडे, वंशीधर तिवारी, समर प्रताप सिंह, राजेंद्र तिवारी, राज नरायन गुप्ता, राजेश कुमार द्विवेदी, हनुमान शरण मिश्रा, केके सिंह, मनोज सिंह, रमेश चंद्र वर्मा, अजीत सिंह सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

एडीओ पंचायत व कम्प्यूटर आपरेटर पर फर्जीवाड़ा का संदेह

संवाददाता–बलरामपुर। पंचायत सहायक विकास अधिकारी उतरौला व कम्प्यूटर ऑपरेटर की मिलीभगत से ग्राम निधि व अन्य मदों के धनराशि का भुगतान फर्जी तरीके से कराने का मामला प्रकाश में आया है। विभिन्न मदों की धनराशि का भुगतान ग्राम पंचायत में स्थिति पंचायत भवन से न करके सहायक विकास अधिकारी के कार्यालय से कराए जाने की शिकायत मिलने पर देवीपाटन मंडल गोंडा के उप निदेशक पंचायत ने बीते तीन दिसंबर को मौके पर जाकर जांच की। जांच के दौरान कम्प्यूटर में अनियमितता मिलने पर उप निदेशक उसे अपने साथ ले गए। उन्होंने निदेशक पंचायती राज को पत्र भेजकर प्रकरण की विस्तृत जांच कराने की सिफारिश की है। निदेशक ने जिला पंचायत राज अधिकारी से प्रकरण के सम्बन्ध में एक सप्ताह के भीतर साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण मांगा है।

जिला पंचायत राज अधिकारी श्रेया उपाध्याय को भेजे गए पत्र में पंचायती राज निदेशक अटल कुमार राज ने कहा है कि 20 मई 2022 के शासनादेश के क्रम में ग्राम पंचायत के समस्त प्रकार के भुगतान पंचयत सचिवालय में स्थापित कम्प्यूटर के माध्यम से ही कराया जाना है। तीन दिसंबर 2024 को उप निदेशक देवीपाटन मंडल ने उतरौला विकास खंड में अवैध ढंग से भुगतान की मौखिक सूचना मिलने पर उन्होंने कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय उतरौला ब्लाक कार्यालय के पंचायत सहायक विकास अधिकारी अशोक कुमार दुबे व कम्प्यूटर ऑपरेटर कृष्णा मिश्रा अनुपस्थित रहे। कम्प्यूटर से छेड़छाड़ न होने पाए इसके लिए उप निदेशक उसे अपने साथ उठा ले गए। कम्प्यूटर के जांच के दौरान यह पाया गया कि ई–ग्राम स्वराज पोर्टल की कुल 299 आईडी एवं पासवर्ड सुरक्षित है। जिसमें ग्राम में प्रयोग होने वाले तीनों प्रकार के लॉगिन हैं। इन तीनों प्रकार के ग्राम पंचायतों के लॉगिन विकास खंड के कम्प्यूटर पर सुरक्षित होना अनियमितता का द्योतक है। जांच के दौरान यह भी तथ्य प्रकाश में आया कि विकास खंड उतरौला के चार ग्राम पंचायत रुस्तमनगर, महुआधनी, फतेपुर एवं मलौली में एक ही मोबाइल नम्बर अंकित है। जो विकास खंड के कम्प्यूटर ऑपरेटर कृष्णा मिश्रा का है। कृष्णा मिश्रा ने पूर्व में भी अपने परिजनों के फर्मो से सप्लाई कराने व भुगतान कराने का कार्य किया है। पत्र में यह भी कहा गया है कि विकास खंड से ग्राम पंचायतों के लिए अक्टूबर 2024 में ई–ग्राम स्वराज पोर्टल को बार–बार लॉगिन करते हुए पेमेंट बाउचर, टेक्निकल अप्रूवल, एडमिन अप्रूवल, ओटीपी रजिस्टर, पासवर्ड चेंज, एफटीओ और प्रोफाइल अपडेट आदि कार्य किए गए हैं, जो संदेह के घेरे में है। निदेशक ने डीपीआरओ को पत्र भेजकर निर्देशित किया है कि इस सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण साक्ष्य सहित एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराएं और यह भी सुनिश्चित करें कि जिले के किसी अन्य विकास खंड में इस तरह की घटना न हुई हो।

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान ने छात्रों के विकास पर दिया जोर

संवाददाता–बलरामपुर। जरवा बलरामपुर अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान की ओर से शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में जन्मशताब्दी समारोह आयोजित करने की व्यापक तैयारियां शुरू की गई हैं। इस कार्यक्रम के तहत संस्थान ने तुलसीपुर एवं जरवा क्षेत्र के दर्जनों विद्यालयों में लेखन, पेंटिंग व संवाद प्रतियोगिता आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रतिभा दिखाने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान बसन्त लाल स्मारक इंटर कॉलेज बालापुर, ईशावास्यम इंटर कॉलेज, कस्तूरबा इंटर कॉलेज, आदिशक्ति मां पाटेश्वरी स्कूल, अखिलेश्वर तिवारी गर्ल्स इंटर कॉलेज सहित अन्य विद्यालयों में संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में जानकारी दी गई। संस्थान ने विद्यार्थियों की लेखन और पेंटिंग प्रतियोगिता कराकर उनकी कलाओं को निखारने पर विशेष जोर दिया। प्रदेश कार्यालय प्रमुख दिनेश प्रताप ने बताया कि 25 दिसंबर को देवीपाटन मंदिर तुलसीपुर में अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन के अवसर पर एक भव्य जन्मशताब्दी समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में वाजपेयी जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर संगोष्ठी आयोजित की जाएगी, जिसमें उनके जीवन के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। शिक्षा और संस्कृति के संगम में संस्थान का यह प्रयास सीमावर्ती क्षेत्रों के विद्यार्थियों के विकास के साथ–साथ भारत की सांस्कृतिक और साहित्यिक धरोहर को संजोने का महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते हुए इसे सफल बनाने का संकल्प लिया।

84 लाख योनियों का मुक्ति मार्ग है श्रीमद् भागवत कथा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।अष्टोत्तर शत श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिन व्यास पीठ पर विराजित अनंत श्री विभूषित जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री धराचार्य जी महाराज भागवत कथा का विस्तार करते हुए कहते है, मां भगवती जगतजननी लक्ष्मी स्वरूपा रुकमणी जी के द्वारिका आ जाने पर द्वारिका नगरी की शोभा और बढ़ जाती है। प्रभु श्री कृष्ण द्वारिका में अनेकों लीलाएं करते है भगवान के बचपन का मित्र सुदामा भगवान श्री कृष्ण से मिलने द्वारिका जाते हैं सुदामा के आगमन की सूचना सुनते ही भागकर प्रभु द्वार पर गए व सुदामा को गले लगाया सुदामा चरित्र से प्रेरणा मिलती है प्रभु चरणों में जब भी जीव जाए सुदामा जी की तरह बिना फल प्राप्ति की इच्छा के जाए दीनबंधु दयासिंधु भगवान शरणागत जीव को अपना लेते हैं भगवान की कृपा जिस भक्त पर हो जाए वह भक्त संसार के सभी भौतिक सुखों को प्राप्त कर प्रभु धाम की प्राप्ति करता है। सुखदेव जी महाराज राजेंद्र परीक्षित से कहते हैं हे राजन् मैंने तुम्हें 7 दिन तक कथा श्रवण कराई आज कथा का सप्तम दिवस है तक्षक आ रहा होगा तुम्हारी मृत्यु होगी कि नहीं होगी।परीक्षित जी महाराज गुरुदेव के चरणों में प्रणाम करते हुए कहते हैं प्रभु आप जैसे उत्तम वक्ता के द्वारा मैंने भागवत रूपी अमृत का पान किया है। तो मेरी मृत्यु क्यों होगी स्थूल शरीर पंचभौतिक तत्वों से मिलकर बना है, उसी में विलीन हो जाएगा, हे गुरुदेव आपने मुझ पर बहुत बड़ी कृपा की है भागवत कथा के रसास्वादन को करके जो जीव भक्ति ज्ञान वैराग्य में होकर परमात्मा के मार्ग को अपना लेते हैं उन्हें इन 8400000 योनियों में नहीं भटकना पड़ता परमपिता परमात्मा अपने चरणों में उन्हें स्थान देते हैं।भागवत कथा के सभी चरित्र प्रेरणास्पद है हमें भागवत कथा को सुनकर भक्ति मार्ग को अपनाना चाहिए देश के विभिन्न प्रांतो से पधारे हुए सभी भक्तजन कथा को सुनकर आनंदित हो रहे है।

हत्यारोपी भाई बेचन निषाद को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता—गोरखपुर। 14 दिसंबर की देर रात दहला गांव में दो भाइयों के कमरे में ताला लगाकर आरोपी बड़े भाई बेचन निषाद ने थिनर (तारपीन का तेल) डालकर आग लगा दी थी। आग से बृजेश निषाद (32), पत्नी मधु (28), बच्ची रिद्धिमा (03), अरविंद निषाद (30) और उसकी पत्नी माला (25) वर्ष झुलस गए थे। चिलुआताल में आग से झुलसे परिवार के पांच सदस्यों में से नवविवाहिता माला (25), पति अरविंद निषाद (30) और जेठ बृजेश निषाद (32) की इलाज के दौरान मौत हो गई। शनिवार देर रात माला ने एक निजी अस्पताल में दम तोड़ा था, जबकि रविवार शाम चार बजे मेडिकल कॉलेज में बृजेश और सात बजे अरविंद की मौत हो गई। मामले में हत्यारोपी भाई बेचन निषाद को गोरखपुर पुलिस ने चिलूवाताल थानाक्षेत्र से गिरफ्तार किया है। घटना के बाद से ही बेचन फरार चल रहा था। इस दौरान अब पुलिी बेचन की मदद करने वालों की भी तलाश पुलिस करेगी। उम्मीद जताई जा रही है कि पुलिस इस आधार पर कुछ लोगों पर भी कार्रवाई कर सकती है।

ईंट हटाने के विवाद में जानलेवा हमला, चार पर मुकदमा

संवाददाता—गोरखपुर। चौरीचौरा क्षेत्र के चौरी टोला सतहवा निवासी राम हर्ष गुप्ता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनके पट्टीदारों ने पीटकर अधमरा कर दिया। उनका कहना है कि पुरानी रंजिश में कपिल देव ने सहन पर ईंट रखी थी।

ईंट हटाने के लिए बोला तो कपिलदेव, सुमित, सागर, प्रमिला देवी ने मिलकर गाली देते हुए लाठी—डंडे और रॉड से उन्हें और उनके भाई राम सकल गुप्ता, भतीजी अमृता और शीला देवी को बुरी तरह से मारपीट कर घायल कर दिया है। राम सकल के सिर में काफी चोंटे आई हैं। भतीजी के दाहिने हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। भतीजी अमृता घर में भाग कर गई तो सुमित घर में घुसकर बुरी तरह से पीट दिया। इससे वह मौके पर बेहोश हो गई। शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी है। आरोपी बहुत ही बदमाश किस्म के हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सभी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

किसान दिवस पर सम्मानित हुये अन्नदाता

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर आत्मा योजनान्तर्गत जनपद स्तरीय भव्य किसान मेला का आयोजन ''कृषि विज्ञान केन्द्र'' बन्जरिया, बस्ती में किया गया, जिसका शुभारम्भ विधायक हर्रैया अजय सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी व जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर किया।

विधायक हर्रैया ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ जनपद के सभी कृषको को मिले। उन्होने कृषक बन्धुओं से अपील किया है कि किसान भाई मोटे अनाज की खेती करें, जिससे लोगों की सेहत सुधरने के साथ ही किसान भाइयों का भी लाभ हो, मोटा अनाज खाने से ब्लड प्रेशर, शुगर, गठिया आदि तमाम तरह की बीमारियां नहीं होती हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने बताया कि सरकार द्वारा कृषक हित में अनेक योजनायें संचालित हैं, इस समय किसानों को फ्री में बिजली दी जा रही है। उन्होने मां पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 चौधरी चरण् सिंह जी के योगदान की विस्तृत चर्चा किया तथा कृषक हित में लिए गये उनके निर्णयों से किसानों में कैसे समृद्धि आयी इस पर विस्तार से बताया गया।

जिलाधिकारी ने बताया कि कृषि एवं इसके संवर्गी विभागों द्वारा कृषकों के हित में तमाम योजनायें संचालित हैं, वर्तमान में कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री की जा रही है, इससे किसान भाई अपने किसान कार्ड द्वारा के0सी0सी, फसल बीमा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तथा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होने सुझाव दिया कि किसान भाई कृषि विभाग द्वारा संचालित भूमि परीक्षण प्रयोगशाला में मिट्टी की जांच कराकर ही उर्वरक का प्रयोग करें, जिससे लागत में कमी आयेगी तथा उर्वरक पर निर्भरता भी कम होगी।

इस अवसर पर कृषि, उद्यान, रेशम, मत्स्य विभाग, फसल बीमा, इफको, कृषि विज्ञान केन्द्र, खाद एवं बीज तथा पशुपालन विभाग से संबंधित स्टॉलों का विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी ने निरीक्षण किया तथा उन्नतशील कृषि निवेशों, नवीनतम तकनीकी जानकारी एवं शासन द्वारा किसानों के हितार्थ संचालित कृषक उपयोगी विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी कृषकों को दी गयी।

इस अवसर पर कृषि समेत उसके संवर्गी जैसे—डेयरी, पशुपालन, सब्जी की खेती, मोटे अनाज की खेती, प्राकृतिक खेती आदि के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसानों को पुरस्कृत किया गया, जिसमें 15 कृषकों को प्रथम पुरस्कार, प्रमाण पत्र, अंगवस्त्र के साथ रू 7000/—, 15 कृषकों को द्वितीय पुरस्कार हेतु प्रमाण पत्र, अंगवस्त्र एवं रू 5000/— तथा विकास खण्ड स्तर पर 70 कृषकों को प्रथम पुरस्कार हेतु प्रमाण पत्र, अंगवस्त्र एवं रू 2000/— का पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा कृषि सखियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बंजरिया के वैज्ञानिक डा0 आर0बी0 सिंह ने बताया कि इस समय गेंहूँ तथा सरसों की बुवाई लगभग पूर्ण हो चुकी है, इस वर्ष बुवाई अन्य वर्षों की अपेक्षा 10—15 दिन पहले हो गयी है, इससे हमारा उत्पादन बढ़ेगा। उन्होने बताया कि सरसों की सिंचाई 35—45 दिन के बाद ही करें, सरसों की कच्ची सिंचाई कदापि न करें, इससे पौधे मजबूत होते हैं। जिनके गेंहूँ की पहली सिंचाई हो चुकी हो वह किसान भाई गेंहूँ में 10 कि0ग्रा0 प्रति एकड़ जिंक की बुवाई अवश्य करें, इसके साथ ही खरपतवार नाशी का पहले प्रयोग कर फिर उर्वरक का प्रयोग करें। इसके साथ ही गेंहूँ/सरसों में जिंक के साथ माइक्रोन्यूट्रेंट 3 कि0ग्रा0 प्रति एकड़ डालने से पैदावार बढ़ जाती है। तिलहनी फसलों में 12 कि0ग्रा0 प्रति एकड़ सल्फर का प्रयोग अवश्य करें। सरसों की पहली सिंचाई के उपरान्त 1 बोरी यूरिया प्रति एकड़ प्रयोग करने से उत्पादन अच्छा मिलता है। कृषि विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष डा0 एस0एन0सिंह ने कृषि विभाग तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, बंजरिया द्वारा कृषक हित में किये गये कार्यों/शोधों के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 वी0बी0सिंह एवं डा0 प्रेमशंकर द्वारा कृषि से संबंधित नवीनतम जानकारी कृषकों को दी गयी। कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 राघवेन्द्र विक्रम सिंह द्वारा मंच के संचालन के साथ कृषि में हुए नवीनतम शोधों एवं अध्ययनों की चर्चा किसान भाइयों के साथ की गयी।

उप कृषि निदेशक अशोक कुमार गौतम ने कृषि विभाग एवं संवर्गी विभागों के योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। इसके अलावा मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य, जिला उद्यान निरीक्षक, प्रबंधक—अग्रणी बैंक, बस्ती आदि ने अपने विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी।

इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि हर्रैया सरोज मिश्र एवं अखिलेश सिंह, कप्तानगंज के गुलाब चन्द्र सोनकर, जिला कृषि अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी, सहायक निदेशक (मृदा परीक्षण/कल्चर), जिला उद्यान अधिकारी, उप दुग्धशाला अधिकारी, जिला प्रबंधक—लीड बैंक व अधिक संख्या में कृषकगण उपस्थित रहे।

मोहित पांडेय की मौतः प्रदेश उपाध्यक्ष पहुंचे देईपार, कांग्रेस पार्टी की तरफ से 10 लाख रुपये का दिया सहयोग

संवाददाता—गोरखपुर। कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष केशव चंद यादव, विश्व विजय सिंह समेत अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता सोमवार को प्रभात पांडेय के पिता दीपक से मिलने देईपार गांव पहुंचे। उनके साथ में जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान सहित अन्य लोग भी थे। प्रदेश उपाध्यक्ष ने पार्टी की तरफ से दस लाख रुपये का चेक दीपक पांडेय के परिवार को सौंपा। इससे पहले, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भी देईपार गांव आने वाले थे। प्रदेश उपाध्यक्ष व गोरखपुर के प्रभारी केशव यादव प्रभात पांडे के घर देईपार पहुंचे और प्रभात के पिता दीपक पांडे से मुलाकात की। कुछ दिन पहले राहुल गांधी ने भी दीपक पांडेय से बात कर सांत्वना दी थी। चर्चा है कि जल्द ही राहुल गांधी भी इस परिवार से मिलने आएंगे।

बता दें कि पिछले सप्ताह लखनऊ में विधानसभा भवन घेराव के दौरान कांग्रेस नेता व देईपार निवासी प्रभात पांडेय घायल हो गए थे। जब तक इलाज की व्यवस्था हो पाती, उनकी मौत हो गई थी। अगले दिन शव के साथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष देईपार पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी के निर्देश के बाद ही प्रदेश अध्यक्ष दोबारा इस परिवार से मिलने आ रहे थे। लेकिन, अचानक ही उनका कार्यक्रम कैंसिल कर प्रदेश उपाध्यक्ष केशव यादव को देईपार भेजा जा रहा है। चर्चा है कि जल्दी ही राहुल गांधी भी प्रभात के घर आ सकते हैं।

मानक को दर किनार कर नाले का निर्माण का आरोप

संवाददाता—संतकबीरनगर। राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे पुलिस चौकी से बंधे तक विधान परिषद कोटे से नाले का निर्माण कराया जा रहा है। जिसमें सीएम से लगायत जिलाधिकारी से मानक की अनदेखी और अनियमितता की शिकायत की गई है। शिकायतकर्ताओं ने ठेकेदार पर मनमानी करने का आरोप लगाया है। नगर पंचायत में बरसात के समय जल जमाव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इसके निस्तारण के लिए विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश ने हाईवे के किनारे पर नाला निर्माण कराने के लिए भारी भरकम लगभग तीन करोड़ का बजट आवंटित किया है। नाला गोरखपुर—बस्ती लेन के किनारे लगभग ढाई किमी लम्बा, एक मीटर चौड़ा और एक मीटर गहरा निर्माण होना है। मगहर कस्बे के तिवारी टोला निवासी सुरेंद्र कुमार गुप्ता ने नाले का निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदार पर मनमानी और मानक विहीन काम करने का आरोप लगाया है। जिसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल और जिलाधिकारी से लिखित रूप से की है। उन्होंने लिखा है कि उनका गाटा संख्या 388 बाग है। जिसमें ईओ, जेई के साठ गांठ से ठेकेदार ने उनसे बिना पूछे और बिना अनुमति के जबरन उनके जमीन के रकबे में नाला निर्माण किया जा रहा है। पत्र में यह भी लिखा है कि नाले को हाईवे से कहीं 18 तो कहीं 14 और 12 मीटर की दूरी पर अलग अलग मापदंड अपना कर निर्माण कराए जाने का आरोप लगाया है।

इतना ही नहीं पूछने पर ठेकेदार द्वारा दबंगई दिखाते हुए दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि नगर पंचायत प्रशासन द्वारा एक समान बराबर क्षेत्रफल अधिग्रहण कर नाले का निर्माण कराने का आदेशित किया जाना चाहिए। मानक विहीन नाले के निर्माण कर एमएलसी कोटे के धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। सुरेंद्र कुमार गुप्ता, बेचन प्रसाद गुप्ता, राजेश कुमार गुप्ता, राजू और आद्या प्रसाद गुप्ता ने मुख्यमंत्री से लगायत जिलाधिकारी से सम्बंधित लोगों के खिलाफ जांच कर कार्यवाही कर नाले को मानक के अनुरूप निर्माण कराने की मांग की है।

करही राजवाहा नहर टूटने से 500 बीघा गेहूं की फसल बर्बाद

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले में सरयू नहर में बना रैट होल के चलते एक बार फिर नहर के पानी ने कहर बरपाया है। इसके चलते नहर का बंधा टूटने से पांच गांव के करीब 300 से अधिक किसानों की 500 बीघा गेहूं की फसल जलमग्न हो गई। सिंचाई विभाग की लापरवाही के चलते किसानों के अरमान टूट बिखर गए। रैट होल ठीक करवाने का समय नहीं मिला। नहर के कहर ने किसानों की कमर तोड़ कर रख दिया। सेमरियावां ब्लॉक के करही गांव से करही रजवाहा का संचालन किया गया है। करही राजवाहा से पिछले कई वर्ष से सिंचाई का काम चल रहा था। पिछले छह वर्ष से दुधारा—हटवा के बीच रैट होल, कटान व ओवर फलो के चलते तबाही मचाती है। इस समस्या के चलते पिछले छह वर्ष से गेहूं की सैकड़ों बीघा फसल बर्बाद होती है। इस बार फिर पानी आने के बाद रैट होल के चलते बंधा टूट गया। बंधा टूटने से पांच गांव के 300 से अधिक किसानों की 500 बीघा गेहूं की फसल जलमग्न हो गई है। अत्याधिक पानी होने से फसल बर्बाद होने के कगार पर पहुंच गई है। दुधारा, देवरिया सेख, परसा सेख, हटवा, पिपरा हंकार, सिवान में पानी भरा हुआ है। किसान मतीन, मोबारक, मोहम्मद इमरान, राजाराम, राम सजीवन आदि ने बताया कि नहर की तबाही से तीन सौ से अधिक किसान प्रभावित हो रहे हैं। इस समस्या को कोई सुनने वाल तक नहीं है। शिकायत के बाद भी विभाग देखने तक नही पहुंच रहा है। करही रजवाहा टूटने के कारण 500 बीघा से अधिक गेहूं की फसल बर्बाद हो चुकी है। किसानों ने बताया एक बीघा में 16 हजार का नुकसान हुआ होगा। पांच गांव में हुए नकसान का आंकलन किया जाए तो करीब 80 लाख की फसल बर्बाद हुई। किसानों का विभाग से सवाल करते हैं। इस नुकसान की भरपाई कौन करेगा। इस नुकासन की पीड़ा किससे कहने जाएं। किसानों की बर्बादी की पीड़ा भी कोई सुनने वाला नहीं है।

नहर से बर्बाद हुए किसानों ने बातचीत करते हुए कहा कि इस बर्बादी का जिम्मेदार कौन है। इस नुकसान की भरपाई कौन करेगा। वर्ष भर इस खेत से परिवार को रोटी मिलती थी। फसल बर्बाद होने से परिवार का निवाला छिन गया। पिछले छह वर्ष से फसल बर्बाद हो रही है। हमारे परिवार को निवाला कौन देगा। हम अपनी पीड़ा किस को सुनाने जाएं। हमारी बर्बादी का पीड़ा कौन सुनेगा। किसानों इस तरह के कई अनसुलझे सवाल किया।

फर्जी दस्तावेज के नाम पर जालसाजी करने के आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता—गोरखपुर। फर्जी दस्तावेज तैयार करवाकर जमीन बेचने के मामले में खोराबार पुलिस ने सोमवार को दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपितों की पहचान कजाकपुर निवासी दिनेश कुमार व डांगीपार निवासी लक्ष्मी देवी पत्नी प्रदीप निषाद के रूप में हुई। जानकारी के मुताबिक, पीड़ित लक्ष्मी उर्फ लक्ष्मीनारायण ने 20 अक्तूबर 2024 को तहसीलदार पुत्र राम केवल निवासी लहसड़ी के भागलपुर थाना रामगढ़ ताल, विनोद कुमार पुत्र पतिराज चौधरी पता अज्ञात, लक्ष्मी देवी पत्नी प्रदीप निषाद निवासी डांगीपार थाना खोराबार, सुमित यादव पुत्र रामाज्ञा यादव निवासी सेमरा देवी प्रसाद काजाकपुर थाना रामगढ़ ताल, दिनेश कुमार पुत्र सुनेश्वर साहनी निवासी सेमरा देवी प्रसाद काजाकपुर थाना रामगढ़ ताल एवं रजिस्ट्री दफ्तर गोरखपुर के भ्रष्ट अधिकारी एवं कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

हत्या की कोशिश के अभियुक्त को दस साल की सजा

संवाददाता—गोरखपुर। हत्या का प्रयत्न करने का जुर्म सिद्ध पाए जाने पर अपर जनपद न्यायाधीश प्रवीण कुमार सिंह ने कोतवाली क्षेत्र के मियां बाजार निवासी अभियुक्त अमित गौड़ व चंदन को दस साल के कठोर कारावास एवं प्रत्येक के 20 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड न देने कर अभियुक्तों को छह माह का कारावास अलग से भुगतना होगा। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता शरदेंदु प्रताप नारायण सिंह का कहना था कि वादिनी इन्द्रकला देवी कोतवाली थाना क्षेत्र के मियां बाजार उत्तरी फाटक की निवासी है। घटना 21 फरवरी 2008 की रात करीब दस बजे की है। रात करीब 8 बजे वादिनी का लड़का मंटू उर्फ रामेश्वर मियां बाजार निवासी चंदन के साथ गया था। काफी देर तक जब वह नहीं आया तो बृजेश, संतोष कुमार चौहान और गुड्डू उसे तलाशते हुए मोहल्ला मुफ्तीपुर निवासी महेंद्र के घर के पास पहुंचे। तीनों व्यक्ति महेंद्र के घर के अंदर जा कर देखा तो मंटू उर्फ रामेश्वर कुमार गुप्ता के सिर पर चाकू की चोट थी और उसका हाथ बंधा हुआ था। उसी समय वादिनी के लड़के परमेश्वर और नागेश्वर भी वहां पहुंच गए और मंटू उर्फ रामेश्वर को जिला अस्पताल में बेहोशी की हालत में भर्ती कराया। मौके से चंदन और अमित व अन्य व्यक्तियों को भागते हुए देखा।

क्रिसमस पर्व को लेकर सजी दुकानें

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में क्रिसमस लेकर शहर की दुकानें सज गई हैं। जिले के बाजारों में सांता क्लाज की लाल टोपी और क्रिसमस ट्री सज चुके हैं। क्रिसमस पर्व 25 दिसंबर को मनाया जाएगा। ग्राहक सबसे अधिक सांता क्लाज की ड्रेस की मांग कर रहे हैं।

प्रभु यीशु मसीह की याद में 25 दिसंबर को क्रिसमस पर्व मनाया जाता है। इस पर्व को लेकर ईसाई समाज के लोग घरों की साफ—सफाई व रंग—रोगन के बाद मनमोहक ढंग से सजाते हैं। प्रभु यीशु के जन्म से संबंधित झांकी सजाई जाती है। गिरिजाघरों में प्रार्थना सभा होती है। इसको लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। सेंटा क्लाज की ड्रेस, क्रिसमस—ट्री, सेंटा मास्क, टोपी, सेंटा टॉय के अलावा सजावट की सामग्री खरीदने लोग दुकानों पर पहुंच रहे हैं। इससे बाजार में रौनक बढ़ गई है। दुकानदार संदीप ने बताया कि क्रिसमस को लेकर खरीदारी शुरू हो गई है। क्रिसमस का पर्व जैसे—जैसे करीब आएगा, बिक्री बढ़ती रहेगी।

उन्होंने बताया कि सेंटा की ड्रेस, क्रिसमस—ट्री, टोपी, मास्क, स्टॉर की मांग अधिक हो रही है। दुकानदारों ने बताया क्रिसमस ट्री 70 से 2,000 रुपये तक और सजावट के साथ पांच हजार रुपये में मिल रहा है। इसके अलावा सांता क्लॉज की ड्रेस 250 से 300, टोपी 30 से 50, बॉल्स 5 से 25, स्टार्स 10 से 125, सांता क्लाज के खिलौने 10 से 25, क्रिसमस पेंसिल 35, सांता का चश्मा 40 से 50 रुपये, क्रिसमस रीत 450, सजावट के लिए कैंडी 10 से 200 और छड़ी 180 रुपये में बिक रही है। इसके अलावा प्रभु यीशु के जन्म की आकर्षक तस्वीरें, ग्रीटिंग कार्ड्स भी उपलब्ध हैं। सांता क्लाज की सफेद दाढ़ी वाले मुखौटे बच्चों की पहली पसंद बने हैं। दुकानदारों ने इस बार अच्छे कारोबार की उम्मीद जताई है।

बिजली कर्मियों से उपभोक्ता ने की बदसलूकी, तहरीर

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले में बकाया बिल जमा करने को लेकर बिजली कर्मी शहर के विभिन्न मोहल्लों में उपभोक्ताओं को जानकारी दे रहे थे। इसी बीच आरटीओ आफिस के पास एक उपभोक्ता बिजली कर्मियों से लाइन काटने को लेकर उलझ गया। इस दौरान दोनों में कहासुनी होने लगी। अवर अभियंता ने उपभोक्ता के खिलाफ कोतवाली में तहरीर देकर मुकदाम दर्ज करने की मांग की है। पुलिस को दी गई तहरीर में अवर अभियंता मिथलेश शाह ने लिखा है कि वे ओटीएस योजना को लेकर उपभोक्ताओं को जानकरी देने के लिए आरटीओ आफिस के पास पहुंचे थे। इसी बीच वहां के रहने वाले एक उपभोक्ता के यहां हजारों रुपये का बकाया बिल था। इस पर अवर अभियंता ने कहा कि लाइन काट दी जाएगी। इस पर वह आग बबूला होकर कर्मचारियों से उलझ गया। कहासुनी करने लगा। मामला किसी तरह से शांत हुआ।

प्रभातफेरी में जयकारे से गूंजा बंजरिया नेदुला मार्ग

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा की अगुवाई में सोमावार की सुबह गुरु तेग बहादुर जी महाराज के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में जयकारों के साथ प्रभातफेरी निकाली गई। गुरुद्वारा से निकली प्रभातफेरी बंजरिया—नेदुला होकर सरदार मोटर्स तक गई। इस दौरान शहर का बंजरिया—नेदुला मार्ग का क्षेत्र शबद कीर्तन व जो बोले सो निहाल के जयकारे से गूंजता रहा। गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा खलीलाबाद में सिख धर्म के नवें गुरु गुरु तेग बहादुर महाराज के बलिदान दिवस के अवसर पर निकाली जा रही प्रभात फेरी रविवार की सुबह 6रू00 बजे गुरुद्वारा से निकली। बैंक चौराहा, बंजरिया, नेदुला होते हुए सरदार मोटर्स पहुंची। निदेशक प्रीतपाल सिंह ने निशान साहब को माला पहनाकर संगत का स्वागत किया। चाय नाश्ते का प्रसाद वितरित किया गया। प्रभातफेरी वहां से वापस गुरुद्वारा पहुंची। अरदास के बाद समापन हुआ। संगत ने गुरु के शबद उच्चा दर बाबे नानक दा मैं शोभा सुनकर आया ऊंचा दर बाबे नानक दा, वाहे गुरु वाहे गुरु बोल संगतों वाहे गुरु बोल, बोले सो निहाल सत श्री अकाल, वाहेगुरु जी का खालसा वाहे गुरु जी की फतेह के जयकारों से शहर भक्ति मय हो गया। प्रभात फेरी में सरदार अजीत सिंह, बलवंत कौर, भाई सोहन सिंह, गगनदीप सिंह, देवेंद्र सिंह, आशु सिंह, अमरजीत सिंह, हरप्रीत सिंह, मनजीत सिंह, रणजीत सिंह, राजपाल सिंह, त्रिलोचन सिंह, कमलजीत कौर, परमजीत कौर सहित शहर के श्रद्धालु मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्‌अलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती

मूलवाद सं0—224/2014

जटाशंकर आदि

बनाम

विजय बहादुर

1/1. रमेश कुमार आयु लगभग 25 साल 1/2 शिवमंगल आयु लगभग 22 साल पुत्रगण विजय बहादुर 1/3 अमन आयु लगभग 14 साल 1/4 मोहन आयु लगभग 12 साल नावालिगान पुत्रगण विजय बहादुर वली सीतापती माता हकीकी 1/5 अन्तिमा आयु लगभग 19 साल पुत्री विजय बहादुर 1/6 अंजली आयु लगभग 15 साल नावालिग पुत्री विजय बहादुर वली सीतापती माता हकीकी 1/7 सीतापती आयु लगभग 45 साल विधवा विजय बहादुर साकिनान सेमरा तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 19—02—2025

हरगाह मुद्‌दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्‌दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्‌दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्‌दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 19 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

वाद सं0— 790/2024

न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती

मीनावती

बनाम

रामजक्सन आदि

1. रामजक्सन पुत्र रामलखन साकिन छितिरगांवा तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 15—01—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अधिवक्ता के निधन पर शोक

संवाददाता—गोरखपुर। जिला अधिवक्ता एसोसिएशन के सभागार में सोमवार को एसोसिएशन के सदस्य अधिवक्ता ध्रुव राम बौद्ध के आकस्मिक निधन पर एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण दामोदर पाठक की अध्यक्षता में शोकसभा हुई। इसका संचालन मंत्री लालमन ने किया। शोक सभा में अधिवक्ताओं ने दो मिनट का मौन रख ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। अधिवक्ताओं ने उन्हें मृदुभाषी मिलनसार और कुशल अधिवक्ता बताते हुए उनके निधन को अधिवक्ता समुदाय के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

एटीएम तोड़कर नकदी चोरी की कोशिश

संवाददाता—गोरखपुर। कैंट इलाके के एमपी इंटर कॉलेज रोड पर स्थित एटीएम को तोड़कर नकदी चोरी की कोशिश का मामला सामने आया है। लंबे समय बाद शहर में इस तरह का मामला सामने आया है। प्रबंधक की तहरीर पर केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, विश्वविद्यालय एसबीआई के प्रबंधक प्रेम कुमार पांडेय ने केस दर्ज कराया। उन्होंने पुलिस को बताया कि सिविल लाइंस एमपी इंटर कॉलेज रोड पर बैंक का एटीएम है। अज्ञात लोगों द्वारा एटीएम को काटकर रुपये निकालने की कोशिश की गई। लेकिन रुपया नहीं निकाल पाए है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया है।

पत्नी और प्रेमिका एक-दूसरे के बाल पकड़कर करती रहीं मारपीट, चुपी साधे देखता रहा पति

संवाददाता—गोरखपुर। सड़क पर हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। दो महिलाएं एक—दूसरे के बाल पकड़कर सड़क पर मारपीट करती रहीं। वहीं दम साधे एक पुरुष इस मारपीट को देखता रहा। वह इनमें से एक महिला का पति और दूसरे का प्रेमी है। मारपीट देख उधर से गुजर रहे राहगीरों की भीड़ जुट गई। कुछ देर बाद लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों महिलाओं को समझा—बुझाकर शांत कराया फिर पत्नी अपने पति के साथ चली गई और प्रेमिका भी अपने घर लौट गई। मामला गोरखपुर के गुलरिहा थाने के भटहट चौकी क्षेत्र के बरगदही तुर्रा नाला के पास का है। इस वाकये की काफी चर्चा हो रही है। लोगों का कहना है कि पत्नी अपने पति को प्रेमिका के साथ देखकर गुस्ध्से से बेकाबू हो गई थी।

जानकारी के अनुसार, गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला का पति अपने महिला प्रेमिका के साथ पिपराइच चला गया था। पत्नी को इस बात की जानकारी हुई तो वह ढूंढते हुए पिपराइच जा रही थी। रास्ते में अभी वह बरगदही कछरहवा टोला के पास पहुंची ही थी कि उसका पति महिला प्रेमिका के साथ आते दिख गया। इतने में पत्नी आग बबूला हो गयी। मामला गाली गलौज से शुरू हुआ तो दोनों महिलाएं बाल पकड़ कर सड़क पर मारपीट करने लगी। महिलाओं के मारपीट को देख राहगीर रुक कर तमाशा देखने लगे। इस दौरान प्रेमिका का मोबाइल टूट गया।

महिला प्रेमिका का आरोप है कि करीब 14 वर्षों से प्रेमी के साथ उसका सम्बन्ध है। उसके पति की मौत हो चुकी है। उसके तीन बच्चे हैं।

प्रेमिका चाहती है कि वह प्रेमी के साथ रहे। वहीं महिला का आरोप है कि प्रेमिका उसके पति को अपने जाल में फंसा कर झूठा आरोप लगा रही है। हालांकि कि काफी देर तक ड्रामा चलता रहा। राहगीरों के काफी प्रयास के बाद मामला शांत हुआ। इसके बाद पति पत्नी के साथ घर चला गया तो वहीं प्रेमिका भी अपने घर चली गयी। प्रेमिका भी इसी थाना क्षेत्र के एक गांव की बतायी जा रही है।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com